वर्ष-11 अंक-71 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शुक्रवार 23 मई 2025

TM

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

YouTube आधुनिक समाचार नेटर्वक

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

युपी में आंधी-बारिश से 22 लोगों की मौत,छत्तीसगढ़-दिल्ली में 6 की जान गई

नई दिल्ली।मौसम विभाग ने राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत देश

के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां हल्की से भारी बारिश तक हो सकती है। हालांकि, इन राज्यों के कुछ हिस्सों में तेज गर्मी का भी अलर्ट है। उत्तर प्रदेश में बुधवार शाम अचानक मौसम बदला। मेरठ, आगरा समेत 12 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इन जिलों में बिजली, पेड़ और दीवार गिरने से 22 की मौत हो गई। प्रदेश के 39 जिलों में आज भी बारिश का अलर्ट है।छत्तीसगढ़ में बुधवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। बलरामपुर में पिता-पुत्र समेत 3 की जान गई और एमसीबी जिले में एक ग्रामीण ने दम तोड़ दिया। मौसम विभाग के मुताबिक आज 10 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इधर, दिल्ली एनसीआर में बुधवार शाम करीब 8 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई और कुछ जगहों पर ओले भी गिरे। तेज आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे तक गिर गए, जिस वजह से रास्ते जाम हो गए। आंधी-तूफान और बारिश के बीच दो लोगों की मौत भी हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। खराब मौसम के चलते दिल्ली मेट्रो की सेवाएं भी प्रभावित हुईं, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट डिले हुईं। 10 फ्लाइट को जयपुर और एक को मुंबई डायवर्ट करना पड़ा। राजस्थान के 17 जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। बुधवार को देश के टॉप-5 गर्म शहरों की लिस्ट में राजस्थान के 3 शहर शामिल रहे। श्रीगंगानगर 47.6 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म शहर रहा। कई जिलों में अगले 2 दिन अधिकतम तापमान 48 डिग्री तक पहुंच सकता है। राजस्थान में गर्मी का प्रकोप जारी है। आज प्रदेश के 17 जिलों में हीट वेव की चेतावनी है। अलवर, भरतपुर सहित 17 जिलों में आंधी-बारिश की भी संभावना है। गुरुवार को देश के टॉप-5 गर्म शहरों की लिस्ट में राजस्थान के 3 शहर शामिल रहे। श्रीगंगानगर 47.6 डिग्री तापमान के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा। वहीं, पिलानी (झुंझुनूं) 47.2 और चूरू 46.8 डिग्री के साथ तीसरे और पांचवें नंबर पर थे।पश्चिमी यूपी का मौसम बुधवार देर शाम बदल गया। मेरठ, संभल, अमरोहा, हापुड़, आगरा समेत 12 जिलों में बारिश हुई।

ट्रम्प की साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट से तीखी नोकझोंक रामफोसा बोले- आपको प्लेन गिफ्ट नहीं कर सकत

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच बुधवार को व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने तीखी बहस हुई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों का नरसंहार किया जा रहा है।ओवल ऑफिस में मीटिंग के दौरान ट्रम्प ने एक वीडियो को सबूत के तौर पर दिखाते हुए दावा किया कि साउथ अफ्रीका में गोरे लोगों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जा रहा है। इसके कारण किसान अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। रामफोसा को इसके खिलाफ कदम उठाने चाहिए हालांकि, रामफोसा ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि नरसंहार के आरोप झूठे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा- साउथ अफ्रीका में सभी नस्लों के लोग हिंसा से पीड़ित हैं। इनमें ज्यादातर अश्वेत हैं। वहां सिर्फ गोरे लोगों को नहीं सताया जा रहा है। ट्रम्प ने इससे इनकार करते हुए कहा कि सिर्फ 'गोरे किसानों' को सताया जा रहा है।रामफोसा ने ट्रम्प को कतर सरकार से गिफ्ट में मिले प्लेन पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा- मुझे माफ कीजिए मेरे पास आपको देने के लिए प्लेन नहीं है, इस पर ट्रम्प ने भी उसी तरह जवाब दिया, उन्होंने कहा, 'काश आपके पास ये होता, तो मैं ले लेता।दोनों राष्ट्रपतियों के बीच दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई। दोनों ने गोल्फ के बारे में बात की। ट्रम्प ने अफ्रीका में लोगों के गोल्फ खेलने के टैलेंट की तारीफ की।साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने फिर 'टी' शब्द का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच ट्रेड पर चर्चा करने की कोशिश की। उन्होंने एक मिनरल डील का भी जिक्र किया।दोनों नेता के बीच ठीक से बातचीत चल चल रही थी। अचानक ट्रम्प ने अपने स्टाफ से वीडियो चलाने के लिए लाइट्स बंद करने को कहा। इससे रामफोसा चौंक गए।जब वीडियो शुरू हुआ, तो रामफोसा ने ट्रम्प से इशारों में सवाल किया कि यह क्या है? हालांकि, ट्रम्प ने उन्हें इंतजार करने का इशारा किया।रामफोसा ने दो-तीन बार पीछे मुड़कर वीडियो देखा। ट्रम्प ने वीडियो को गोरे लोगों के नरसंहार का सबूत बताते हुए कहा कि इसमें हजारों गोरे किसानों की कब्र दिखाई गई हैं।- रामफोसा ने अपना संयम बनाए रखते हुए दावों से इनकार किया। उन्होंने कहा- मैंने पहले कभी यह वीडियो नहीं देखा है। हम पता लगाएंगे कि यह वीडियो कहां है। इसकी प्रामाणिकता की गहराई से जांच करेंगे। रामफोसा ने कहा, 'हमारे देश में हिंसा अपराध है, और इससे सभी प्रभावित हैं- चाहे वो काला हो या गोरा' ट्रम्प नहीं रुके, न्यूज आर्टिकल्स दिखाकर हत्या-हत्या कहने लगे- रामफोसा के यकीन दिलाने के बाद भी ?ट्रम्प नहीं रुके। उन्होंने न्यूज आर्टिकल्स की प्रिंटेड कॉपी दिखाईं, जिनमें साउथ अफ्रीका में मारे गए गोरे लोगों के बारे में बताया गया है। पन्नों को पलटते हुए ट्रम्प जोर से हत्या...हत्या कहते रहे।इसके खत्म होने के बाद रामफोसा ने कहा कि वीडियो में उनके देश की पूरी तस्वीर नहीं दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका में कई राजनीतिक दल हैं। लोकतंत्र ने उन्हें अपनी बात कहने की अनुमति दी है। वीडियो में वो जो कह रहे हैं हमारी सरकार की नीति उससे अलग है।रामफोसा ने माना कि उनके देश में बहुत ज्यादा अपराध है, लेकिन उन्होंने यह नहीं माना कि वहां पर सिर्फ गोरे लोगों को सताया जा रहा है।

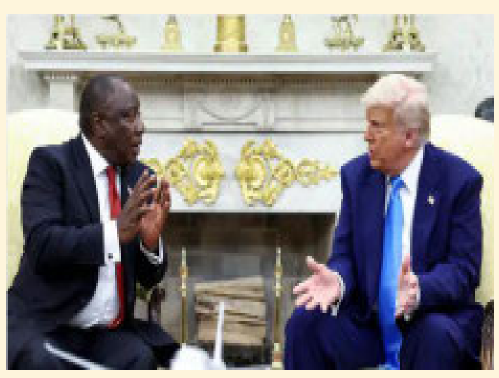

ग्रेटर नोएडा में 100 साल पुराने पीपल के पेड़ को बचाने के लिए एकजुट हुए लोग

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से 130 मीटर रोड पर अलग से बस-वे लेन का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन, सेक्टर पाई-1 के पास इस निर्माणाधीन रोड के बीच में करीब 100 साल पुराना पीपल का पेड़ आ गया है। आसपास के लोग इसे बचाने के लिए एकजुट हो गए हैं।उनका कहना है कि यह पेड़ उनकी आस्था से जुड़ा है। वे इसकी पूजा करते हैं। लिहाजा, पेड़ को नुकसान न पहुंचाया जाए। ऐसे में अब अथॉरिटी के अधिकारी पेड़ को बचाने के लिए विकल्प तलाशने में जुट गए हैं।सिरसा गोलचक्कर से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौड़ सिटी चौक तक 27 किमी लंबी 130 मीटर रोड दोनों शहरों के बीच की लाइफ लाइन है। बिना किसी रुकावट और जाम में फंसे इस पर सफर किया जा सकता है। नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाएगा। इसको ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी इस रोड पर अलग से बस-वे लेन का निर्माण करा रही है। बस-वे लेन बनाने के लिए 130 मी रोड की साइड में छोड़ी गई जमीन और कई जगह ग्रीन बेल्ट से पेड़ हटाकर निर्माण कार्य चल रहा है।

कतर से मिले गिफ्ट को अमेरिका ने स्वीकार किया,महल जैसा है रु3400 करोड़ का प्लेन, राष्ट्रपति रहते ट्रम्प इस्तेमाल क्यों नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग्सेथ ने बुधवार को

बताया कि कतर सरकार ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक बोइंग 747-8 जंबो जेट गिफ्ट में दिया है। इसे एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा।3400 करोड़ रुपए की कीमत वाले इस लग्जरी प्लेन को 'फ्लाइंग पैलेस' या उड़ता महल कहा जाता है। यह किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को मिलने वाला अब तक का सबसे महंगा गिफ्ट है।ट्रम्प को इस प्लेन का इस्तेमाल करने से पहले सिक्योरिटी क्लियरेंस का इंतजार करना होगा, जिसमें 3 से 4 साल लग सकते हैं। ऐसे में मुमकिन है कि ट्रम्प राष्ट्रपति रहते इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएं।ट्रम्प हाल ही में 14 मई को अपने मिडिल ईस्ट दौरे के दूसरे दिन कतर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कतर सरकार के साथ करीब 100 लाख करोड़ रुपए (1.2 ट्रिलियन डॉलर) की डील की थी।ट्रम्प ने 12 मई को व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा था कि कतर हमें एक गिफ्ट दे रहा है। अगर हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे तो हम मूर्ख इंसान होंगे।ट्रम्प का कारोबार मिडिल ईस्ट में फैला हुआ है। हाल ही में उनकी कंपनी ने कतर में एक नए गोल्फ रिसॉर्ट की घोषणा की है, जो कतर सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी के साथ साझेदारी में बन रहा है। ऐसे में इस उपहार को 'रिश्वत' या 'हितों' के तौर पर देखा जा रहा है।अमेरिकी संविधान के पारिश्रमिक खंड (एमोल्यूमेंट्स क्लॉज) के मुताबिक सरकारी पद पर बैठा कोई भी इंसान बिना कांग्रेस (संसद) की सहमति के किसी भी राजा या विदेशी राज्य से कोई गिफ्ट या उपाधि नहीं ले सकता है।अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि उनका डिपार्टमेंट इस विमान में सभी जरूरी सुरक्षा उपाय तय करेगा, जिससे राष्ट्रपति इसका सुरक्षित उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि यह उपहार सभी सरकारी नियमों के मुताबिक स्वीकार किया गया है।दुनियाभर के ज्यादातर देशों में विदेशी गिफ्ट को सरकारी खजाने में जमा करने का प्रोटोकॉल है।अमेरिका और भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों में विदेशी गिफ्ट को राज्य की संपत्ति माना जाता है।जब तक सरकारी नियमों के तहत छूट न दी जाए नेता और सरकारी अधिकारी इनका निजी इस्तेमाल नहीं कर सकते।अमेरिका में 41 हजार रुपए से ज्यादा मूल्य के गिफ्ट को नेशनल आर्काइव में जमा करने का नियम है।रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इस विमान को अस्थायी तौर पर एयर फोर्स वन के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करेंगे। एयर फोर्स वन अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान होता है। फिलहाल ट्रम्प का निजी विमान 'ट्रम्प फोर्स वन' एक पुराना 757 जेट है, जो 1990 के दशक का है। इसे 2011 में खरीदा गया था।कतर का प्लेन अभी के फोर्स वन से कहीं ज्यादा आधुनिक और शानदार है। हालांकि कतर ने अभी इसके बारे में खुलकर कुछ भी नहीं कहा है।

यूपी में पंचायत चुनाव जनवरी में हो सकते हैं,67 जिलों में भेजी जाएंगी 1.27 लाख मतपेटियां,पिछली बार भाजपा-सपा से ज्यादा निर्दलीय जीते थे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। ये चुनाव 2026 में जनवरी-फरवरी के महीने में हो सकते हैं। विधानसभा 2027 के पहले पंचायत चुनाव सेमीफाइनल की तरह होगा। यूपी में कुल 57 हजार 691 ग्राम पंचायत, 826 ब्लॉक और 75 जिला पंचायत हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 67 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 के लिए करीब 1.27 लाख सीआर शीट ग्रेड सीआर1 से बनी मतपेटियों की आपूर्ति के लिए ई-टेंडर जारी किया है। इन मतपेटियों की डिलीवरी 4 महीने के भीतर पूरी करनी होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के उपनिर्वाचन आयुक्त संत कुमार ने बताया- पंचायत चुनाव बड़ा और संवेदनशील आयोजन होता है। मतपेटियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सख्त मानक तय किए गए हैं। केवल अनुभवी और आर्थिक रूप से सक्षम फर्मों को ही पात्र माना जाएगा। आपूर्ति का 5 साल का अनुभव होना चाहिए, आयोग की ओर से 19 मई को जारी आदेश में साफ किया गया है कि केवल वही कंपनियां बोली में हिस्सा ले सकती हैं, जिनके पास केंद्र, राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रमों को सीआर शीट ग्रेड सीआर-1 से बने उत्पादों की पिछले 5 साल में कम से कम 15 करोड़ रुपए की आपूर्ति का अनुभव हो। ऐसी कंपनियों का सालाना टर्नओवर कम से कम 3 करोड़ रुपए होना चाहिए।उत्तर प्रदेश में पिछली बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अप्रैल-मई, 2021 हुए थे। ये चुनाव ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत (बीडीसी), और जिला पंचायत (जिला पंचायत सदस्य और अध्यक्ष) स्तर पर होते हैं। ये चुनाव पार्टी-चिह्न के बिना होते हैं। लेकिन, बड़े दल अपने समर्थित प्रत्याशियों की पहचान और आकलन करते हैं। पिछली बार यूपी के 75 जिलों में कुल 3,050 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा-सपा से ज्यादा निर्दलीयों ने जीत दर्ज की थी। जिला पंचायत सदस्यों की 3,047 सीटों में सपा 759, भाजपा 768, बसपा 319, कांग्रेस 125, रालोद 69, आप 64 और निर्दलीयों को 944 सीटें मिली थीं।खास बात यह थी कि निर्दलीय जीते प्रत्याशी सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा से टिकट न मिलने से नाराज होकर चुनाव लड़े थे। ऐसे ही समाजवादी पार्टी के भी कई सदस्यों को पार्टी का समर्थन नहीं मिला था। वो भी नाराज होकर मैदान में उतरे और चुनाव जीतकर पहुंचे थे। हालांकि जिला पंचायत अध्यक्ष का जब चुनाव हुआ, तो भाजपा ने बाजी मार ली। जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जुलाई 2021 में हुआ था। ये चुनाव पार्टी चिह्न पर हुआ था। भाजपा ने 75 में से 67 सीटों पर जिला पंचायत अध्यक्ष जिताने में सफल रही थी। सपा को सिर्फ 5 सीटें ही मिली थीं। अन्य के खाते में 3 सीटें आई थीं।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सबसे रोचक गांव प्रधानी होता है। गांवों में अभी से अगले प्रधान प्रत्याशी अपनी तैयारी शुरू हो चुकी है। गांव में चर्चा होनी लगी है कि इस बार कौन-कौन प्रत्याशी होगा? हालांकि सभी की नजर गांव के आरक्षण पर होगी। आरक्षण के बाद ही तस्वीर साफ होगा कि उनके गांव से कौन लड़ सकता है? इसी तरह बीडीसी और जिला पंचायत सदस्य भी अपनी तैयारियां और दावेदारी होर्डिंग-पोस्टर के जरिए शुरू कर चुके हैं।यूपी में 2026 में होने वाले जिला पंचायत चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने भी जोर-शोर से तैयारी कर रही है।

बीजेपी अगले महीने घोषित करेगी जिले की कार्यकारिणी, महिलाओं को विशेष तवज्जो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। युपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी जिले व मंडल में मजबूत कार्यकारिणी तैयार करने में लगी है। भाजपा में अभी से ही संगठन की दृष्टि से अनुभवी कार्यकर्ताओं का मंथन भी किया जा रहा है। मंडल की टीम को लेकर संगठनात्मक कार्यवाही चल रही है और मई के आखिरी सप्ताह में संभवतः यह सूची घोषित कर दी जाएगी। मंडल की टीम में 50फीसदी में महिला एवं अनुसूचित, पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ताओं को स्थान निर्धारित किया गया है और मंडल की टीम की गठन के पश्चात जिले की टीम की गठन प्रक्रिया शुरू होगी। पद पाने के लिए बड़ी संख्या में भाजपाई पैरवी में जुटे हैं। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि मंडल की टीम को लेकर संगठनात्मक कार्यवाही चल रही है और मई के आखिरी सप्ताह में संभवतः आ जाएगी।

उ.म रेलवे में पर्यावरण पखवाड़े का आगाज,महाप्रबंधक ने बच्चों संग चलाई साइकिल,1 जून को लगेंगे एक लाख पौधे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने 22 मई 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण पखवाड़े की शुरुआत की। महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी और प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिमेष कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया जा रहा है। मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक शिवाजी कदम मुख्यालय स्तर से इसका संचालन कर रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत साइकिल जागरूकता रैली से हुई। महाप्रबंधक जोशी ने बच्चों के साथ रेलगांव स्टेडियम तक साइकिल चलाई। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। रैली के बाद सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इसमें सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने का संकल्प शामिल था। महाप्रबंधक ने रेल परिसर में पौधारोपण किया। उन्होंने लोगों से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल की अपील की। उत्तर मध्य रेलवे का लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण देना है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न मंडलों और कारखानों में कई कार्यक्रम होंगे। 1 जून को एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इनकी देखभाल के लिए वन विभाग, सरकारी संस्थानों और सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा।इसके अलावा प्लास्टिक प्रदूषण पर जागरूकता कार्यक्रम, क्विज और सफाई अभियान चलाए जाएंगे। स्टेशन परिसरों में प्लास्टिक उपयोग की निगरानी की जाएगी। नागरिकों से स्वच्छ भारत और हरित भारत अभियान में योगदान की अपील की गई है।

प्रयागराज में आंधी-बारिश से मौसम बदला,50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं, कई इलाकों में बिजली गुल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज।गुरुवार तड़के मौसम ने करवट ली। सुबह करीब तीन बजे तेज बिजली की चमक और गरजते बादलों के साथ हवाएं चलीं। हवाओं की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे रही। शहर के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट आई और वातावरण में ठंडक महसूस की गई।मौसम विभाग के अनुसार, प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में आज बादल छाए रहेंगे। इससे धूप कम रहेगी। हवाएं थमने पर उमस बढ़ सकती है। शाम को फिर से तेज हवाओं की संभावना है।तेज आंधी से पेड़ गिरने और तारों के नुकसान की आशंका थी। इसलिए विद्युत विभाग ने कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रोक दी। शेरवानी लिगेसी, अल्लापुर, तेलियरगंज, सोहबतियाबाग, करेली, राजापुर, बमरौली, नेवादा, कसारी-मसारी और साउथ मलाका में बिजली गुल रही। सुबह से रात तक ट्रिपिंग की समस्या बनी रही।मौसम वैज्ञानिकों ने अगले चार दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। तापमान में और गिरावट आ सकती है। तेज हवाओं के साथ बारिश की बौछारें जारी रहेंगी। लोगों को मौसम की चेतावनियों को गंभीरता से लेने और सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने पूंछा-जवाबदेही पर मौन क्यो सरकार,पहलगाम मे टूरिस्ट को मौत के घाट उतारने वाले आतंकी कहा गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कांग्रेस के नेता व राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार से पहलगाम आतंकी हमले पर सवाल पूंछा है। उन्होने कहा कि पहलगाम हमले को एक माह का समय बीत चुका है सरकार ने ऑपरेशनों की लंबी सूची गिनाई। सच यह है कि सुरक्षाबलों ने साहस, संयम और अद्वितीय शौर्य का परिचय दिया। उनकी वीरता को पूरा देश नमन करता है।आतंकवादियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई कर उन्होंने घाटी में स्थिति को नियंत्रण में लिया। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस हमले में 26 निर्दोषों की जान गई, उसके मास्टरमाइंड आज भी क्यों फरार हैं?22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। निर्दोष नागरिकों पर हुए इस भीषण आतंकी हमले में 26 भारतीयों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। कई घरों के चिराग बुझा दिए गए, कई मांगों से सिंदूर छीन लिया गया। आज 22 मई है–ठीक एक महीना हो गया इस त्रासदी को लेकिन अब तक उन क्रूर आतंकवादियों का कुछ पता नहीं चला। सवाल है कि वे कहां गायब हो गए? ज़मीन निगल गई या आसमान खा गया?वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी के मुताबिक, घटना के दिन वहां एक भी पुलिसकर्मी तैनात नहीं था। कोई क्विक रिस्पांस टीम सक्रिय नहीं थी। इंटेलिजेंस का ऐसा फेल्योर कैसे हुआ? जब ट्रैवल एजेंट को घाटी में पर्यटन की जानकारी थी, तो स्थानीय पुलिस और प्रशासन को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? क्या ये लापरवाही नहीं? देश के गृह मंत्री ने पहलगाव हमले मे इंटेलिजेस फेल्योर पर जवाब क्यो नहीं दिया।इसके अलावा विदेश मंत्री की ओर से पहले ही सार्वजनिक रूप से यह कह देना कि भारत आतंकवादी ठिकानों पर हमला करेगा कूटनीतिक और सामरिक दोनों ही दृष्टियों से बड़ी चूक मानी जा रही है। इसका नतीजा यह हुआ कि न तो कोई बड़ा आतंकवादी मारा गया, न ही कोई ठिकाना नष्ट हो पाया। जब दुश्मन पहले से सतर्क हो, तो कार्रवाई का असर बेअसर हो जाता है।

इंटेलिजेस फेलियर पर गृह मंत्री व विदेश मंत्री की चूक पर सरकार चुप

एनसीआर के सेंट्रल हॉस्पिटल में नई सुविधा,एक साथ 120 ब्लड सैंपल की जांच कर सकेगा फ्रांस का ऑटोमेटेड सिस्टम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के

केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज में आधुनिक ऑटोमेटेड ब्लड कल्चर सिस्टम की शुरुआत हो गई है। डॉ हिमांशु मंडल ने माइक्रोबायोलॉजी और पैथोलॉजी विभाग में इस सिस्टम का उद्घाटन किया गया। फ्रांस की कंपनी BIOMÉRIEUX द्वारा निर्मित यह सिस्टम एक साथ 120 नमूनों की जांच कर सकता है। यह बैक्टीरिया, फंगस और माइकोबैक्टीरिया की पहचान के लिए विशेष वातावरण तैयार करता है।उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. हिमांशु मंडल ने सिस्टम के बारे में कहा कि यह तकनीक उपचार प्रक्रिया को प्रभावी बनाएगी और मरीजों को जल्द लाभ मिलेगा।कार्यक्रम में डॉ. एस. के. हंडू, डॉ. प्रकाश मुर्मू, डॉ. तुलिका मिश्रा और डॉ. उषा एस.पी. यादव समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. उषा यादव के नेतृत्व में श्री शिव सागर साव, श्री उमेश कुमार भारती और प्रयोगशाला टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

पीएम करेंगे 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटनःकरोड़ों खर्च कर इन स्टेशनों को रि-डेवलपमेंट किया गया; महानगरों सरीखी हैं यात्री सुविधाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। करछना अमृत सरोवर स्टेशन के उद्घाटन समारोह अवसर पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल पहुंची। विधायक पीयूष रंजन निषाद ने उनका स्वागत किया। पीयूष रंजन निषाद ने कहा कि यह हमारे विधान सभा ने शामिल है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस रेलवे स्टेशन को सुसज्जित करने का काम किया गया है।इस दौरान अपना दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प पूरा होता जा रहा है। उन्होंने देश के 103 और प्रदेश के 19 अमृत सरोवर स्टेशनों को पूर्नविकसित कर बड़ा ही कार्य किया है। इस कार्य से रेलवे स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानियां नहीं होंगी।उन्होंने कहा कि प्रयागराज का करछना अमृत सरोवर स्टेशन भी विकसित हो चुका है। यहां पर आने वाले यात्रियों को वह पूरी सुविधाएं

मिलेंगी जो उन्हें मिलनी चाहिए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पटेल फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल गुरु प्रसाद मौर्य, गणेश केशरवानी, विधान परिषद सदस्य, सुरेंद्र चौधरी तमाम लोग मौजूद है।मॉडर्न सुविधाओं से लैस इन रेलवे स्टेशनों पर सबसे ज्यादा तवज्जो यात्रियों की सुविधाओं को लेकर है। लिफ्ट, एक्सलेटर, शेड, पार्किंग, टिकट काउंटर, सर्कुलेटिंग एरिया, ट्रेनों के स्टापेज, ट्रेनों के शेड्यूल, वेटिंग हाल, शौचालय, पानी के इंतजाम खास तौर पर किए गए हैं।इसमें उत्तर मध्य रेलवे यानि एनसीआर के नौ स्टेशन करछना, गोविंदपुरी, ओरक्षा, पुखरायां, फतेहाबाद, गोविंदगढ़, गोवर्धन, महुआ मंडावर और ईदगाह शामिल हैं।मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्रियों को अपने क्षेत्रों के किसी एक स्टेशन के लोकार्पण समारोह में शामिल होने को कहा गया है। जिसके क्रम में अनुप्रिया पटेल करछना में मौजूद रहेंगी।इसके अलावा लोकार्पण समारोह में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, महापौर गणेश केसरवानी, सांसद प्रवीण पटेल व उज्ज्वल रमण सिंह, विधायक दीपक पटेल, हर्षवर्धन वाजपेयी, पीयूष रंजन निषाद, राजमणि कोल, डा. वनस्पति आदि जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

गोरखपुर चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की आशंका पर गहराई जांच, विशेषज्ञ टीम कर रही जांच, व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

गोरखपुर। चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और आईवीआरआई बरेली की विशेषज्ञ टीम जांच कर रही है। टीम ने चिड़ियाघर का दौरा कर पशु अस्पताल और पक्षियों के बाड़े का निरीक्षण किया।जांच में कई खामियां सामने आईं। पक्षियों के पास ही तेंदुआ और बाघ जैसे मांसाहारी जानवर रखे गए थे। पशु अस्पताल की जगह भी आवश्यकता से कम पाई गई। टीम ने हिमालयन भालू, शेर, तेंदुआ, बाघ, हिरण और कौओं की मौत वाली जगहों का निरीक्षण किया। वेटलैंड क्षेत्र में पक्षियों की उपस्थिति की भी जांच की गई। पहले दिन 9 जानवरों के बारे में जानकारी ली गई।विशेषज्ञ टीम में डॉ. पराग निगम, डॉ. एम करिकलन और डॉ. पीके मलिक शामिल हैं। यह पहली बार है जब वाइल्डलाइफ हेल्थ की विशेषज्ञ टीम चिड़ियाघर पहुंची है। पिछले एक महीने में चिड़ियाघर में चार बड़े जानवरों की मौत हुई है। 30 मार्च को बाघ केसरी, 5 मई को मादा भेड़िया भैरवी, 7 मई को बाघिन शक्ति और 8 मई को तेंदुआ मोना की मौत हो गई। बाघिन की मौत के बाद बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। सुरक्षा के लिए प्रदेश के सभी चिड़ियाघर 27 मई तक बंद रहेंगे। टीम का निरीक्षण एक दिन और चलेगा। इसके बाद शासन को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर चिड़ियाघर में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

गोरखपुर में सुबह से तेज बारिश,ग्रामीण क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बिजली गिरी, तापमान गिरा

गोरखपुर। गोरखपुर में गुरुवार की सुबह से ही गरज, चमक के साथ तेज बारिश हो रही है। वर्षा के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर बिजली गिरी है लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस बारिश से किसानों को भी फायदा हुआ है। मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस एवं अधिकतम 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। कल के मुकाबले अधिकतम तापमान में लगभग 7 डिग्री की गिरावट नजर आयी है। 25 मई तक बारिश की संभावना जताई जा रही है। आपदा विभाग ने सभी तहसीलों से बारिश के कारण हुए नुकसान की रिपोर्ट तलब की है। लगातार बारिश से शहर के कुछ मोहल्लों में जलभराव हो गया है। निचले इलाकों में सड़कों पर पानी लग गया। बारिश के कारण तापमान में लगातार गिरावट बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान 23 डिग्री तक जाने की संभावना है। इसी तरह अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यह स्थिति 25 मई तक बनी रहने की संभावना है।सुबह से ही बारिश के कारण अधिकतर लोग मार्निंग वाक करने नहीं निकले। सुबह निकलने की तैयारी करने के बाद उन्हें घर पर ही रहना पड़ा। बारिश के साथ वङ्कापात की आशंका को देखते हुए लोग घरों से निकलने में बचे।बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया। जिला अस्पताल क्षेत्र के सामने सड़क पर पानी लग जाने से लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। धर्मशाला ओवरब्रिज के नीचे अंडरपास में पानी भर गया। रेती क्षेत्र में भी जलभराव नजर आया।

प्रतापगढ़ में 3 सगी बहनों समेत 4 की नदी में डूबकर मौत, मिट्टी लेने गई थीं

प्रतापगढ़ में गुरुवार को तीन सगी बहनें और पड़ोस की एक लड़की की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब चारों बच्चियां घर में चूल्हा और दीवारों पर लेप लगाने के लिए नदी किनारे से मिट्टी निकालने गई थीं। घटना कुंडा कोतवाली क्षेत्र के चेती सिंह पुरवा गांव की है।जीतलाल की तीन बेटियां स्वाती (13), संध्या (11), और चांदनी (6) अपनी दोस्त प्रियांशी (7) पुत्री पृथ्वीपाल के साथ नदी किनारे मिट्टी लेने गई थीं। बारिश की वजह से नदी किनारे काफी फिसलन थी। ऐसे में मिट्?टी लेने के दौरान बच्चियां फिसलकर गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं।चारों को डूबता देख उनके साथ गई एक और बच्ची ने शोर मचाया। आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह चारों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। महेशगंज और कुंडा कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

यूट्यूबर ज्योति ने महाकुंभ में डुबकी लगाई,महानिर्वाणी, उदासीन अखाड़े में बाबाओं के साथ भी वीडियो शूट किए

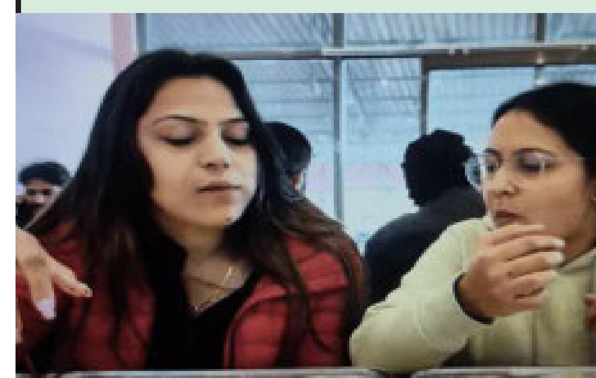

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने की आरोपी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर बड़ा खुलासा हुआ। वह ज्योति 4 महीने पहले 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन वह महाकुंभ क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर घूमी थी। अखाड़ों में गई और वहां वीडियो शूट किए। कहीं चाय पी तो कहीं खाना खाया।वीडियो में दिख रहा था कि ज्योति दिल्ली बस स्टैंड से राम दलाल ट्रैवल्स की प्राइवेट लग्जरी बस से प्रयागराज पहुंची। सबसे पहले उसने अपने वीडियो में दिल्ली बस स्टैंड के बारे में बताया। जिस बस में यात्रा करनी थी, उसे भी दिखाया।वीडियो में दिखता है कि वह बस ड्राइवर विजयकांत नाम पूछते हुए बस में एंट्री करती है। इसके बाद दिल्ली से महाकुंभ आने तक का वीडियो दिखाती है। सहसो के पास पहुंचने पर वहां का भी नजारा दिखाती है और कुछ पैदल चलते हुए भीषण भीड़ का वीडियो शूट करते हुए वह दूसरी सरकारी बस में बैठती है और महाकुंभ मेला क्षेत्र तक पहुंची है।प्रयागराज के स्वास्तिक द्वार होते हुए सीधे में संगम तक पहुंचती है, यहां डुबकी लगाती है। स्नान के दौरान उसने अपनी दोस्त का भी वीडियो दिखाती है और दोनों साथ में संगम में डुबकी लगाने के बाद पांटून पुल से अखाड़े पहुंचते हैं।यहां महानिर्वाणी अखाड़ा, उदासीन अखाड़े में भी जाती है। बाबाओं के भी वीडियो शूट किए हैं। अखाड़ों के बारे में भी जानकारी साझा की हैं।ज्योति मल्होत्रा की ओर से खुद के महाकुंभ आने के दौरान बनाए गए वीडियो को यूट्यूब पर 2.7 हजार लाइक मिले। जबकि दो लाख से ज्यादा लोगों ने इसे देखा। सोमवार रात तक इस वीडियो के कुल 2.04 लाख व्यू थे। 12 फरवरी को इस वीडियो को उसने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया।बता दें कि उसने 'ट्रैवेल विद जो' नाम से अपना यूट्यूब चैनल बना रखा है। इससे पहले नौ दिसंबर 2024 को उसने वाराणसी का भी टूर किया था। इसके लिए भी वह नई दिल्ली से एक लग्जरी बस के जरिए वाराणसी पहुंची थी। इसका भी वीडियो उसने अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया था।ये फैक्ट ज्योति के यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' से हुआ है। ज्योति ने अपने यूट्यूब चैनल पर 42.20 मिनट का वीडियो अपलोड किया था। उसने दिल्ली से प्रयागराज के लिए रवाना होने के साथ ही शूट करना शुरू किया। इसमें संगम में डुबकी और मेला क्षेत्र की विजिट को भी रिकॉर्ड किया गया।ज्योति ने महाकुंभ में संगम स्नान किया। अखाड़ों में गई और वहां वीडियो शूट किए। इन वीडियो में ज्योति के साथ उसकी एक फ्रेंड भी दिख रही है। वीडियो में ज्योति ने कुछ जगहों पर अपने दोस्त की भी वीडियो डाली है और जानकारी भी दी है कि यह हमारी फ्रेंड है।

यूपी में खुद के अश्लील वीडियो बनाने वाला डॉक्टर डरा,बोला-भेड़ियों के बीच फंसा हूं, पत्नी मेरी हत्या करा सकती है

संतकबीर नगर। जय श्रीराम दोस्तों! थोड़ा कठिन समय चल रहा है। कुछ लालची भेड़ियों के बीच मैं फंसा हूं। मेरे छोटे साले ने मेरे डीप-फेक वीडियो बनाए हैं और पूरे परिवार के लोग मुझे फंसा रहे हैं। अगर कल को मेरी मौत होती है, तो समझ लीजिए ये साजिश के तहत की गई मेरी हत्या होगी, आत्महत्या नहीं। ये बातें खुद को ट्रांसजेंडर बताकर अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें पोर्न साइट पर बेचने के मामले में फंसे डॉक्टर वरुणेश दुबे ने कहीं। संत कबीरनगर की खलीलाबाद सीएचसी पर तैनात वरुणेश दुबे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो 3 मिनट का है। इसमें उन्होंने कहा- ससुराल वाले और मेरी पत्नी नौकरी-संपत्ति हड़पने के लिए मेरी हत्या करवा सकते हैं।डॉक्टर वरुणेश दुबे खलीलाबाद सीएचसी में तैनात हैं। उनकी पत्नी

गोरखपुर में रहती हैं। पत्नी ने कहा- 10 दिन पहले मुझे इंटरनेट पर कुछ अश्लील वीडियो मिले, जिनमें मेरे पति एक पुरुष के साथ महिला वेशभूषा में आपत्तिजनक हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो उन्होंने एक पेड वेबसाइट पर अपलोड किए, जिन्हें देखने के लिए पहले भुगतान करना होता है। मेरे पति ने 'मीना राय' नाम से एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाई, जिसमें खुद को ट्रांसजेंडर बताकर तमाम वीडियो अपलोड किए गए। मैं यह दावे के साथ कह सकती हूं कि ये वीडियो हमारे ही क्वार्टर के अंदर बनाए गए, क्योंकि वीडियो में दिख रहा वॉलपेपर, बेड, सजावट आदि मैंने खुद ऑनलाइन ऑर्डर करके लगवाए थे। एक पत्नी अपने पति को शरीर, आवाज और आदतों से पहचान सकती है। वह इनकार कर सकते हैं, लेकिन सच्चाई छिपाई नहीं जा सकती।पीड़ित ने दावा किया कि डॉक्टर के आवास की तलाशी लेने पर पूरा मामला सामने आ जाएगा। मंगलवार को वह अपने भाई और रिश्तेदारों के साथ पति के सरकारी आवास के बाहर पहुंची। उन्होंने आवास का ताला खोलने की मांग की। जिसपर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ताला खुलवाया और अंदर पड़ताल की थी।पत्नी का कहना है- जब उन्होंने इस बात की जानकारी अपने मायके में अपने पिता और भाई को दी तो वो वरुणेश के घर गए। वहां वरुणेश ने उनके साथ बदतमीजी की और मारपीट की। पीड़ित पत्नी ने संत कबीरनगर एसपी को पत्र लिखकर मामले की शिकायत की। एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सरकारी आवास को सीज कर दिया गया।डॉक्टर की पत्नी ने बताया- मेरी और डॉ. वरुणेश दुबे की शादी 2018 में हुई थी। हम दोनों का अफेयर था। बाद में परिवार ने इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया।

वाराणसी में एटीएस ने पाकिस्तानी जासूस पकड़ाःपाकिस्तानी सेना के अफसर की पत्नी का खास, मोबाइल में 600 पाकिस्तान के नंबर मिले

वाराणसी। यूपी एटीएस ने गुरुवार को वाराणसी से पाकिस्तानी जासूस मोहम्मद तुफैल को गिरफ्तार किया। वो पाकिस्तानी सेना के एक अफसर की पत्नी से 4 महीने तक संपर्क में रहा। तुफैल वाराणसी में नवापुरा, आदमपुरा का रहने वाला है।छानबीन में सामने आया है कि तुफैल ने पाकिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाद रिजवी के वीडियो वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर किए थे।साथ ही, 'गजवा-ए-हिंद' करने, बाबरी मस्जिद का बदला लेने और भारत में शरीयत लागू करने से जुड़े मैसेज शेयर किए थे।खुफिया एजेंसियों का इनपुट है कि तुफैल ने राजधानी दिल्ली से लेकर वाराणसी तक के अहम स्पॉट की तस्वीरें और उनसे जुड़ी जानकारियां शेयर की। इनमें दिल्ली का राजघाट, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद, लाल किला, निजामुद्दीन औलिया शामिल है।

बॉयफ्रेंड संग रील बनाने के लिए लड़कियों में चले लात-घूंसे,बरेली में बीच सड़क एक-दूसरे का बाल पकड़कर जमीन पर पटका

बरेली। बॉयफ्रेंड के साथ रील बनाने को लेकर दो लड़कियों में जमकर लात घूंसे चले। लड़कियां पहले पार्क में भिड़ीं। इसके बाद सड़क पर आकर एक-दूसरे की चोटी पकड़कर खूब मारपीट की। बीच सड़क पर लड़ाई होते देख भीड़ लग गई। वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर शेयर कर दिया। वीडियो 21 मई का बताया जा रहा है। मामला ग्रुप कंपनी गार्डन इलाके का है। बीच सड़क लड़कियां लड़ रही थीं। भीड़ तमाशा देख रही थी। लोग वीडियो बना रहे थे। किसी ने भी छुड़ाने की जहमत नहीं उठाई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 4 लड़कियों का एक ग्रुप कंपनी गार्डन के पास सर्किट हाउस रोड पर रील बनाने पहुंचा था। दो लड़कियां एक लड़के साथ रील बनाने पर अड़ गईं। वीडियो में दिख रही सफेद शर्ट पहने लड़की ने उस लड़के को अपना बॉयफ्रेंड बताया।जबकि काले कपड़े वाली लड़की ने भी उसे अपना बॉयफ्रेंड बताया। बॉयफ्रेंड को लेकर दोनों में बहस शुरू हो गई। धीरे-धीरे बात मारपीट तक पहुंच गई। दोनों एक-दूसरे को गालियां देते हुए जमकर लात और घूंसे चलाने लगीं।उनके साथ आईं उनकी सहेलियों और उनके बॉयफ्रेंड्स ने बीच-बचाव की कोशिश भी की। लेकिन, गुस्से में आग-बबूला लड़कियां किसी की सुनने को तैयार नहीं थीं।किसी तरह ग्रुप में आए लड़के लड़कियों ने उन्हें अलग किया।काले कपड़े पहनने वाली लड़की अपनी सहेली के साथ वहां से निकल गई। रास्ते में फिर से सफेद शर्ट वाली लड़की ने दोनों को अपनी सहेली के साथ रोक लिया। बीच सड़क पर फिर चारों में मारपीट शुरू हो गई। लड़कियों ने बाल पकड़कर एक-दूसरे को सड़क पर गिरा-गिरा कर पीटा।हंगामा बढ़ता देख वहां काफी भीड़ जमा हो गई। कुछ लोग लड़ाई छुड़ाने की बजाय तमाशबीन बनकर वीडियो बनाते रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity M. 9161135311, 9335138055

प्रदेश आस/पास

भारत

श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में आइएनटीएसओ ओलंपियाड सम्मान समारोह आयोजित

नोएडा श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल,

सेक्टर 130, नोएडा में आइएनटीएसओ ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की मेहनत, प्रतिभा और शैक्षणिक उत्कृष्टता को सराहना और प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम के दौरान आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कारों से नवाजा गया। प्रथम पुरस्कार विजेता को लेनोवो टैबलेट, द्वितीय पुरस्कार विजेता को हैपिपोला स्मार्ट वॉच, तृतीय पुरस्कार के रूप में ब्लूटूथ हेडसेट, जबकि चतुर्थ और पंचम पुरस्कार विजेताओं को बैकपैक और लंच बॉक्स प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 50 सांत्वना पुरस्कार के रूप में इंसुलेटेड लंच बैग और ज्योमेट्री बॉक्स वितरित किए गए, ताकि छात्रों की भागीदारी और प्रयास को सराहा जा सके। कुल 60 पदक और प्रमाण पत्र योग्य छात्रों को प्रदान किए गए।इस अवसर की थाना एक्सप्रेसवे से पधारे सीनियर इंस्पेक्टर और उनकी टीम ने बढ़ाई। उन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी उपस्थिति ने छात्रों में गौरव और अनुशासन की भावना को प्रबल किया।यह कार्यक्रम प्राचार्या ईश्राक मैम के नेतृत्व में, क्षेत्रीय प्रभारी श्री परवेज अहमद, डीन, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य इंचार्जों के सहयोग से भव्य रूप से संपन्न हुआ। सभी के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन सफल हुआ और स्कूल के अकादमिक उत्कृष्टता व समग्र विकास की भावना को उजागर किया गया। यह सम्मान समारोह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण रहा और विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को समर्पण और उत्साह के साथ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

पॉकेट 7 सेक्टर 82 में जर्जर पैनल बॉक्स और अधूरे कार्य दे रहे हादसों को दावत

नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7

सेक्टर 82 में विद्युत संबंधी कई समस्याएं हैं जिनका निराकरण अभी तक नहीं हुआ है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि एमडी से लेकर मुख्य अभियंता, एसडीओ को कई बार पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया गया लेकिन अभी तक पूर्ण रूप से समाधान नहीं हुआ है। जर्जर मीटर पैनल बॉक्स कुछ ब्लॉक में बदले गए हैं लेकिन अभी ज्यादातर ब्लॉक में जर्जर मीटर पैनल बॉक्स नहीं बदले गए हैं। जो पोल नीचे से गले हुए हैं उनको भी आजतक नहीं बदला गया है इसके अलावा पार्कों में लगे कुछ बिजली के पैनल नए लगा दिए गए थे लेकिन कुछ पैनल पूरी तरह से खुले हुए हैं जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। खुले पैनल से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर के पास नए चेंज ओवर लगाए गए हैं लेकिन वह भी पूरी तरह खुले हुए हैं जिससे कोई दुर्घटना हो सकती है। बिजली की मोटी केबल कई जगह अभी भी खुली पड़ी है जिसको अंडरग्राउंड करने की जरूरत है कुछ जगह केबल को अंडरग्राउंड किया गया है। हमारे लगातार अनुरोध के बाद विद्युत विभाग द्वारा काफी समय पहले कार्य शुरू कराया गया था लेकिन बीच में बंद हो गया। कुछ दिन पहले ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पॉकेट का दौरा किया था और अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण कराने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हो रहा है। हमारी विद्युत विभाग के अधिकारियों से अनुरोध है कि अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए जिससे संभावित किसी दुर्घटना से बचा जा सके।

कॉंग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नोएडा। शहर कांग्रेस कमेटी

बडोत बागपत के अध्यक्ष रामहरि पंवार के तत्वावधान में शहर कांग्रेस पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने दिल्ली बस स्टैंड बडोत स्थित कार्यालय पर आधुनिक भारत के निर्माता युग पुरुष कर्मयोगी संचार क्रांति के जनक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी 34 वी पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी चित्र पर पुष्पाजलि अर्पित कर उनके शहादत दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शत-शत नमन किया देशहित में अनेक महान कार्यो को याद कर महान जीवन पर प्रकाश डाला गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोआर्डिनेटर डाक्टर संजीव शर्मा गाजियाबाद एव कोआर्डिनेटर सतेन्द शर्मा नोएडा उपस्थित रहे कार्यक्रम में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ,डाक्टर संजीव शर्मा जी ने बताया कि राजीव गांधी जी 40वर्ष की बहुत ही कम आयु मे देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री बने किसान मजदूर गरीबों लिए अनेक लाभान्वित योजनाएं लागू कर गरीबों का हक दिलाया,कोआर्डिनेटर सतेन्द शर्मा ने बताया राजीव गांधी जी ने टेक्नोलॉजी व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे अभूतपूर्व अद्वितीय कार्य कर करोडो युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये वे सदैव दिलो मे बसे रहेंगे,गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए शहर अध्यक्ष रामहरी पंवार ने बताया किसान मजदूर गरीब दलितो शोषित पीडितो वंचितों के मसीहा राजीव गांधी जी ने अनेक योजनाएं तैयार कर हर वर्ग को उपर उठने का काम किया देश को कम्प्यूटर मोबाइल नई टेक्नोलॉजी जोडकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये संविधान में संशोधन कर ग्राम पंचायतों को शशक्त किया 18 वर्ष के युवाओं को वोट का अधिकार दिलाया शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए पुरे देश में हैंडपम्प का जाल बिछाया देश सदैव उनका रीणी रहेगा और कहा उनके आदर्शों पर चलकर संगठन को अधिक मजबूत व गतिशील बनाया जायेगा ।संचालन करते हुए मनोज जैन ने कहा राजीव ने अपनी प्रतिभा अदम्य साहस से देश को शिखर पर पहुँचाया करोडों युवाओं को रोजगार के अवसर पर दिलाये महासचिव डा0 सुभाष शर्मा ने कहा देश का हर वर्ग कांग्रेस की नीतियों विचारधारा को याद कर कांग्रेस के साथ दिलो जान से जुड रहा है कागेस का जनाधार तेजी से बढ रहा है, इस अवसर पर पुष्पेन्दर राणा रामकुमार मुखिया मनोज जैन डा सुभाष शर्मा आशु पंडित निशान्त चोधरी बालमुकुन्द शिवम कश्यप देवेन्द्र शर्मा क्रष्ण हरी सुनील कुमार त्यागी अशोक शर्मा रामरंग औकार दत्त कार्तिक सादिक बिजेन्दर शर्मा आदि रहे।

सेना के सम्मान में उमड़ा छलेरा से सदरपुर गाँव

नोएडा सेना के सम्मान में आज

हर भारतीय का जोश तिरंगा यात्रा के रूप में उमड़ रहा है। आज भाजपा नोएडा के सैनिक विहार मंडल द्वारा छलेरा गाँव सेक्टर 44 से होते हुए सदरपुर गाँव सेक्टर 45 द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने किया।इस यात्रा में ग्रामीण और सेक्टर निवासियों ने बढ़ चढ़ का हिस्सा लिया। छलेरा गाँव से करीब 100 लोगो की संख्या में ये यात्रा शुरू हुई जो सदरपुर तक 500 से ज़्यादा लोग की संख्या के साथ समाप्त हुई। जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि जब आतंकवादियों ने धर्म पूछकर सैलानियों को निर्ममता से मारा, तो भारतीय जांबाज वीर सैनिकों ने अपनी शौर्य का परिचय देते हुए पाकिस्तान की सीमा के अंदर घुसकर आतंकवादियों के कुनबे को नेस्तनाबूद कर दिया. आज हम सभी को भारतीय सेना पर गर्व है. उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो परमाणु संपन्न देश होने के बावजूद, दूसरे देश की सीमा के अंदर घुसकर आतंकवादियों को लक्ष्य कर भेदने में कामयाब रहा है। इस यात्रा में महेश चौहान, प्रदीप चौहान, बुपेश चौधरी, मनोज चौहान, अशोक मिश्रा, जितेंद्र मास्टर, राजपाल, राजवीर सिंह, शिव कुमार, देवेंद्र सिंह, मुकेश गुप्ता, विपिन झा, जोगेन्द्र सिंह, किरण कुशवाहा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा सभी सदस्यों की आम जनसभा बैठक का आयोजन कर नव कार्यकारिणी का गठन किया

नोएडा उत्तर प्रदेश उद्योग

व्यापार मंडल द्वारा एक महत्वपूर्ण आम जन सभा का आयोजन मुकुंद बिहारी मिश्रा (प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल) की अध्यक्षता में अग्रसेन भवन सेक्टर 33 नोएडा में किया गया।इस बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, श्री मुकुंद बिहारी मिश्रा (प्रदेश अध्यक्ष), जितेंद्र सोनी (प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष), सुनील पांडे (प्रदेश कार्यालय प्रभारी) मुख्य अतिथि रहे।इस बैठक में आदरणीय सुनील गुप्ता एनसीआर अध्यक्ष एवं चेयरमैन के अस्वस्था के कारण कुछ समय पहले निधन हो जाने पर प्रदेश कमेटी द्वारा वर्तमान जिला कार्यकारिणी भंग करने की घोषणा की गई थी एवम नव कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया को लेकर नामांकन लिए गए।नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत बैठक में मौजूद प्रदेश कमेटी एवं सभी जिला सदस्यों द्वारा संजय जैन जी को अध्यक्ष, अमित अग्रवाल को वरिष्ठ महासचिव, नरेश बंसल को कोषाध्यक्ष एवं सुधीर पोरवाल को प्रदेश मंत्री मनोनीत कर इन मुख्य पदों की घोषणा करते हुए बाकी के पदों के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई!इस बैठक की शुरुआत आदरणीय श्री सुनील गुप्ता जी की आत्म शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई प्रदेश चेयरमैन जी द्वारा मौजूद सभी सदस्यों को व्यापार मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यो की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई और बताया गया कि व्यापार मंडल हर समय अपने व्यापारी व औद्योगिक साथियों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहता है. प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा नोएडा गौतम बुध नगर कार्यकारिणी की इकाई को कैसे विस्तृत रूप दिया जाए युवा एवं मातृशक्ति के नेतृत्व पर बल दिया गया साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया की गौतम बुद्ध नगर कि अगर किसी भी व्यापारी व औद्योगिक भाई को किसी भी समस्या का अगर सामना करना पढ़ रहा है तो उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल उसके सन्ग कंधे से कंधा मिलाकर उसकी समस्या के निस्तारण हेतु उसके साथ खड़ा है!इस बैठक में व्यापार मंडल के संरक्षक डॉ डी. के. गुप्ता, मनोज गुप्ता , फूल सिंह यादव, विकास बंसल,गोविंद अग्रवाल, विक्रम सेठी, डॉक्टर जे एस बेदी , राहुल भाटिया, अमित पोरवाल, सुरेंद्र गर्ग, सुनील वर्मा, तनवीर चौधरी, पंकज ऐबर्ट, अर्चना त्यागी, आशा पोद्दार, कविता सिंह, मधु सिंह, पूजा अग्रवाल, संतोष सिंह समेत व्यापार मंडल के सभी पूर्व पदाधिकारी एवं सदस्य इस प्रक्रिया में मौजूद रहे!

सेक्टर 93 सुपर एमआईजी में 6 जून से होगी श्रीराम कथा

नोएडा सेक्टर 93 सुपर एम आई जी के मंदिर परिसर

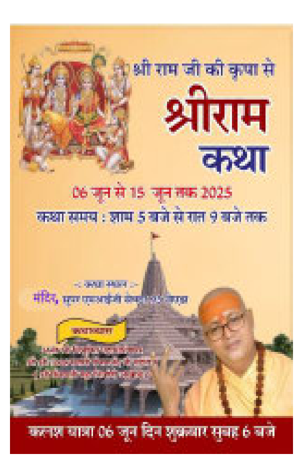

में 6 जून से श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा।श्री राम कथा की व्यवस्था को लेकर आज एक बैठक श्रीमती नीलम द्विवेदी के आवास पर की गयी। जिसका रवि राघव ने संचालन किया। बैठक में श्रीमती नीलम द्विवेदी ने बताया कि कथा व्यास मध्य प्रदेश के मुरैना जौरा गैपरा के पास निखिल धाम वनखंडी सरकार के पीठाधीश्वर परम पूज्य गुरुदेव अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज द्वारा संगीतमई कथा कही जायेगी। आगे उन्होंने बताया कि श्री राम कथा की तैयारियां जोरों पर चल रही है। उन्होंने बताया कि 6 जून को श्रीराम कथा की कलशयात्रा सुबह 6 बजे से शुरू होगी। सोसायटी का पूरा भ्रमण करते हुए कथा पंडाल में समापन होगा। तथा 15 जून दिन रविवार को सुबह 6 बजे से हवन आरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।बैठक में देव मणि शुक्ल, संजय पांडेय, श्रीमती नीलम द्विवेदी, रवि राघव, राजेश कुमार गुप्ता, रमेश कुमार वर्मा, हरि शंकर सिंह, गोरे लाल, अंगद सिंह तोमर, हंस मणि शुक्ल, अनिल कुमार शर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रहवासियों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन सौंपा

कई पीढ़ी से रह रहे आवास को खाली कराकर जमीदोष करने का हुआ आदेश

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम

पंचायत मुसही चुर्क दर्जनों गरीब परिवारों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को देखकर लगाई न्याय की गुहार। प्रार्थीगण लजपतिया पत्नी दिनेश व गणेश पुत्र गया व धन्नो पत्नी श्यामसुंदर व सुदामा पुत्र श्यामसुंदर आदि ग्राम मुसहीं निवासी हैं अनपढ़ गरीब खेतिहर मजदुर भूमिहिन लोग है तथा प्रार्थीगण के पास खेती अथवा आवासीय कोई भूमि न होने के कारण प्रार्थीगण के पिता व दादा को घर बनाने के लिए आराजी बीते 04.05.1994 को सभी प्रार्थीगण के पिता अथवा दादा के नाम आवासी पट्टा स्वीकृत होकर सरकारी आवास बनकर तैयार हुआ जिसमें प्रार्थीगण सपरिवार आबाद है लेकिन हम गरीबों के उक्त घर मकान व जमीन पर भू-माफियाओं की निगाह लग गई और सम्बन्धित अधिकारी को गुमराह करके दिनांक 29.08.2014 को प्रार्थीगण का आवासी पट्टा विधि विरूद्ध तरीके से निरस्त करा दिया गया न तो प्रार्थीगण को सूचना दी गई और न ही प्रार्थीगण को अपनापक्ष रखने का मौका दिया गया और प्रार्थीगण को सीधे धारा 67क उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के तहत एकपक्षीय आदेश पारित कर आर0सी0 प्रपत्र. वसूली का नोटिस थमा दिया गया। नोटिस मिलने पर प्रार्थीगण न्यायालय तहसीलदार न्यायिक के समक्ष उपस्थित होकर अं0 धारा 67क के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये लेकिन तत्कालीन तहसीलदार न्यायिक ने दिनांक 14.11.2023 को प्रार्थीगण का न्यायालय में उपस्थित होने के बावजूद भी यह कहते हुए कि ऊपर से आदेश है मुकदमों को खारिज करने के लिये जिस कारण खारिज कर देता हूँ। बाद में आप लोग रेस्टोरेशन दे दीजिएगा मैं आप लोगों को न्याय दिलाउंगा लेकिन उन्हें ने बताया कि मुकदमें का कम्प्यूटर अभी बन्द है जब रेस्टोरेशन का कम्प्यूटर चालू होगा तब हम आप लोगों का रेस्टोरेशन प्रार्थना पत्र लूंगा आज तक नहीं लिये और इसी साजिश के तहत आज सुबह तहसीलदार राबर्ट्सगंज तथा दोपहर बाद एसडीएम राबर्ट्सगंज प्रार्थीगण के घर पर पहुँचकर नोटिस दिये और धमकी दिये कि तत्काल तुम लोग अपना घर छोड़कर भाग जाओं नहीं तो कल सुबह फोर्स लेकर आयेंगे और सभी घरो को धाराशाही कर देंगे। जिससे करीब 50-60 लोग घर से बेघर हो जायेंगे। इस गर्मी में हम प्रार्थीगण के पास रहने का कोई अन्य ठिकाना नहीं है छोटे-छोटे बच्चे तथा औरते इस गर्मी में मर जायेंगे जबकि प्रार्थीगण के घर के बाद करीब लगभग 40 फीट चौड़ी पक्की सड़क (रास्ता) बना हुआ है। प्रार्थीगण के घर से कोई रास्ता अवरूद्ध नहीं है। प्रार्थीगण किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं किये है पूर्व में भी प्रार्थीगण ने जिलाधिकारी व उपजिलाधिकारी राबर्ट्सगंज सोनभद्र को शपथ पत्र व प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण दिये थे लेकिन आज तक प्रार्थीगण को न्याय नहीं मिल पाया। पूर्व में दिये गये प्रार्थना पत्र आईजीआरएस की रसीद तथा शपथ पत्र व तहसीदार राबर्ट्सगंज द्वारा प्रेषित नोटिस / सूचना की छायाप्रति प्रार्थना के संलग्न है। ऐसी स्थिति में तहसीलदार द्वारा जारी नोटिस 15.05.2025 को निरस्त किया जाकर प्रार्थीगण का आवासी पट्टा बहाल किया जाकर प्रार्थीगण का घर मकान धाराशाही करने से रोका जाना न्यायहित में आवश्यक है। रहवासियों ने बताया कि उपजिलाधिकारी/ तहसीलदार राबर्ट्सगंज को हम गरीब भूमिहिन मजदुर का घर मकान धाराशाही करने से रोकते हुये प्रार्थीगण का निरस्त आवासी पट्टा बहाल करने का आदेश पारित करने की तत्काल कृपा करें। प्रार्थीगण तथा प्रार्थीगण के बीबी, बच्चे श्रीमान् जी के सदैव आभारी रहेंगे। बड़ी कृपा होगी।इस मौके पर लजपतिया,निश,अनेश, दिनेश,धीरज,रमेश,सुदापा आदि लोक मौजूद रहे ।

जंगली हाथियों का हुआ रेस्क्यू,ब्यौहारी में तीन लोगो को कुचल कर उतरा था मौत के घाट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल। जिले के ब्यौहारी वन क्षेत्र में हाल ही में जंगली हाथियों के आतंक के चलते तीन व्यक्तियों की दुखद मौत हो गई। इस घटना ने वन विभाग की नींद उड़ा दी, जिसके फलस्वरूप जंगली हाथियों के रेस्क्यू करने के लिए एक विशेषज्ञ टीम जुटाई गई। इस अभियान के तहत बांधवगढ़ और संजय टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने सफलतापूर्वक एक जंगली हाथी का रेस्क्यू किया। ब्यौहारी क्षेत्र में उठे इस संकट के बाद, आवश्यकताओं के अनुसार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, संजय दुबरी टाइगर रिजर्व और मुकुंदपुर चिड़ियाघर के विशेषज्ञों ने मिलकर एक रेस्क्यू अभियान तैयार किया। यह अभियान स्थानीय वन अधिकारियों द्वारा उनकी सुरक्षा और भलाई के प्रति चिंता के कारण शुरू किया गया था। बुधवार को, टीम ने जंगली हाथी पर निगरानी रखते हुए, उसे आरएफ 291, बीट कुरमाड़, रेंज पौड़ी के जंगल से सुरक्षित रूप से निकालने में सफलता हासिल की। उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पीके वर्मा ने कहा, हमारी प्राथमिकता हमेशा मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना है। रेस्क्यू किए गए हाथी को अब संजय टाइगर रिजर्व से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ले जाया जाएगा, जहाँ उसे चिकित्सा और आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस रेस्क्यू अभियान में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, संजय दुबरी नेशनल पार्क के क्षेत्र संचालक, उपसंचालक, सहायक संचालक, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, रेस्क्यू प्रभारी, रेस्क्यू टीम, 6 प्रशिक्षित हाथी और लगभग 100 से अधिक फील्ड स्टाफ ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर इस जटिल कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस घटना ने जंगली हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष की गंभीरता को उजागर किया है। वर्तमान में, जब जंगली हाथियों का आवास तेजी से कम हो रहा है, ऐसे में मानव और वन्यजीवों के बीच सुरक्षा और सह-अस्तित्व का संतुलन बनाना बेहद आवश्यक है।इस रेस्क्यू अभियान के सफलता के पीछे वन विभाग की सक्रियता और तत्परता की सराहना की जा रही है।

थाना चोपन पुलिस द्वारा फरार चल रहे 01 नफर वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल निर्देशन में थाना चोपन पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय सीजेएसडी/एसीजेएम सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में मु0नं0- 1625/20 अंतर्गत धारा 4/25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वारण्टी अभियुक्त चन्दन पुत्र जगेश्वर बियार निवासी ग्राम बरवा टोला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष को आज दिनाँक 21.05.2025 को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- चन्दन पुत्र जगेश्वर बियार निवासी ग्राम बरवा टोला थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम- 01. उ0नि0 अभयनाथ सिंह यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02. का0 राहुल यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

कला,खेलकूद एवं विज्ञान इत्यादि गतिविधियों हुई आयोजित

सोनभद्र। पी. एम. श्री

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में समर कैंप का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या रंजना शुक्ला, नोडल प्रभारी वन्दना सिंह द्वारा किया गया । समर कैंप में अनेक गतिविधियों जैसे - म्यूजिकल चेयर, योग एवं व्यायाम, स्वपरिचय' मैं हूँ देशज', ' मैं हूँ लेखक', रस्सा कस्सी, रस्सी कूद, नृत्य-संगीत इत्यादि का आयोजन किया गया ।विद्यार्थियों ने रुचि पूर्वक कार्यकम में प्रतिभाग किया एवं आनन्द पूर्वक लाभ उठाया । समर कैंप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है ग्रीष्मावकाश में कला,खेलकूद एवं विज्ञान इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र विकास करना एवं उन में रचनात्मक सोच विकसित करना । समर कैंप में विद्यालय की अर्चना सिंह यादव, रेखा कुमारी, नेहा जाटव, सीमा सिंह शिक्षिकायें मौजूद रहीं ।

परिषदीय विद्यालयों समर कैम्प शुरू बच्चों ने की खूब मौजमस्ती

रायबरेली। जिले के परिषदीय इस बार गर्मियों की छुट्टी में भी गुलजार रहेंगे। बच्चों की मौजमस्ती के लिए प्राईवेट विद्यालयों की तरह ही आज जिले सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में समर कैम्प का शुभारंभ हो गया है। आज से विद्यालयों में शुरू हुए समर कैम्प में पहली बार बच्चे बिना बस्ते के ही पढ़ने के लिए विद्यालय पहुंचें और तीन घंटे तक खूब मौजमस्ती की। आज विद्यालयों में प्रातः बच्चों का रोली टीका लगाकर वेलकम कॉर्ड देकर स्वागत किया गया। इसके बाद योग के साथ ही साथ आर्ट, नृत्य, गीत संगीत व खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की।अमावां ब्लॉक के कम्पोजिट विद्यालय जरैला में समर कैम्प का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह ने कक्षा आठ की

छात्रा हिमांशी के साथ में रिबन काटकर किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों का टीका लगाकर और गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। बच्चों के साथ में मौजमस्ती करते हुए बीईओ ने खेल खेला और संगीत भी सुना। छात्रा हिमांशी की तरफ से बनाया गया समर कैम्प के पोस्टर की खूब तारीफ की। बच्चों की मेंहदी देकर बहुत ही प्रसन्न हुई। अभिभावकों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य पढ़ाई के साथ साथ में बच्चों को पारंपरिक लोकनृत्य और कलाओं में पारंगत किया जाए। इसके साथ ही उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को भी तराशा जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लॉक के सभी उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। अभिभावक नियमित रूप से तीन घंटे के लिए अपने बच्चों को बिना कागज कलम के विद्यालय में भेजें। बच्चों को मौसमी फल, खीरा, ग्लूकोज, रसना, बिस्किट, मूंगफली दाना वाली नमकीन भी दी जाएगी।

सोनभद्र, मिर्जापुर

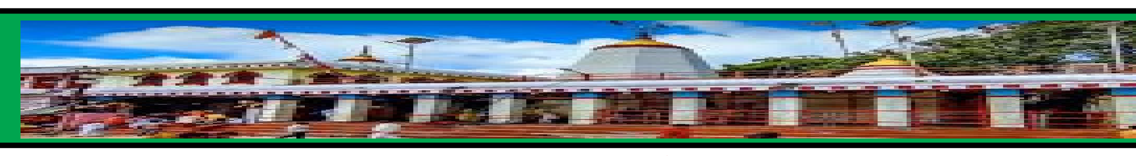

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने दूसरे दिन भी किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। निजीकरण के विरोध में

प्रांत भर में विरोध सभाः 29 मई से अनिश्चितकाल कार्य बहिष्कारः 21 मई से सभी जनपदों और परियोजनाओं पर तीन घंटा विरोध प्रदर्शनः पावर कॉरपोरेशन पर बढ़ा चढ़ा कर घाटा दिखाने और आंकड़ों का फर्जीवाड़ा करने का आरोप पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में आज प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर बिजली कर्मचारियों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया।संघर्ष समिति ने पावर कारपोरेशन के चेयरमैन पर यह आरोप लगाया है कि वह आंकड़ों का फर्जीवाड़ा कर बढ़ा चढ़ा कर घाटा दिखा रहे हैं और आम उपभोक्ताओं पर इसका बोझ डालना चाहते हैं, जबकि इसके पीछे मुख्य मकसद निजी घरानों की मदद करना है।संघर्ष समिति की आज हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि निजीकरण के विरोध में 21 मई से समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर अपराह्न 2:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन का यह कार्यक्रम 28 मई तक चलेगा। 29 मई से संघर्ष समिति ने निजीकरण के विरोध में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार की नोटिस दी है। संघर्ष समिति ने कहा कि 29 मई से होने वाले अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के पहले 21 मई से संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों के प्रांत व्यापी दौरे प्रारंभ होंगे।संघर्ष समिति ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि जब किसी प्रांत में पावर कारपोरेशन ने अपने ए आर आर को चार दिन के अंदर पुनरीक्षित कर घाटा बढ़ा चढ़ा कर नई ए आर आर दाखिल की है। संघर्ष समिति ने कहा कि यह सब निजीकरण से पहले निजी घरानों की मदद करने के लिए किया जा रहा है। आगरा में भी निजीकरण के पहले ए टी एंड सी हानियां 54इ बताई गई थी जो वास्तव में 40इ के नीचे थी। इसका दुष्परिणाम यह है कि आज भी आगरा में पावर कॉरपोरेशन 5.55 रु प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद कर निजी कंपनी को 04. 36 रु प्रति यूनिट में दे रही है और 274 करोड रुपए का सालाना नुकसान उठा रही है। संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कारपोरेशन के चेयरमैन को सार्वजनिक तौर पर यह बताना चाहिए कि महज चार दिन पहले नियामक आयोग को सौंप गए ए आर आर में 9206 करोड रुपए के घाटे की बात कही गई थी और कल अचानक ए आर आर को बदल कर 19600 करोड़ रुपए का घाटा दिखाया गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कारपोरेशन के चेयरमैन यह भी सार्वजनिक करें कि निजीकरण के बाद सरकार सब्सिडी देगी या नहीं देगी क्योंकि उनके द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में बार-बार सब्सिडी का उल्लेख किया गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन द्वारा कल जारी किए गए सारे आंकड़े भ्रामक हैं और जानबूझकर तोड़ मरोड़ कर रखे गए हैं। घाटा बढ़ाकर दिखाने का मकसद केवल निजी घरानों की मदद करना है। संघर्ष समिति इन आंकड़ों पर कल विस्तृत वक्तव्य देगी। उकत विषयो को लेकर जनपद सोनभद्र में संयुक्त संघर्ष समिति एवं राज्य विधुत परिसद जूनियर इंजिनियर संगठन द्वारा विरोध प्रदर्सन किया गया। आज जिसमे मुख्य रूप से इ0 सुरेश यादव, इ0 शिवम् गुप्ता, इ0 राहुल सुंदरम, इ0 विवेक कुमार, इ0 महेश कुमार, इ0 राजेंद्र प्रसाद, इ0 राम लाल, इ0 अविनाश श्रीवास्तव, इ0 संदीप सिंह, इ0 विकाश दुबे, सचिन शुकला, राजेंद्र तिवारी, दिनेश कुमार, पुष्पराज सिंह, प्रदीप कुमार गुप्ता, अरविन्द सिंह, सत्यप्रकाश, विजेंद्र सिंह, आनंद, मंगला, जीतेन्द्र, कृष्णा सोनी, अंकित श्रीवास्तव इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

विद्युत व्यवस्था को सुचारू ढंग से की जाये संचालित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों, कांन्ट्रैक्टरों व विभिन्न एजेन्सियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों व कान्ट्रैक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप सुनिश्चित की जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, इसके साथ ही ट्रांसफार्मर के मरम्मत का कार्य भी निर्धारित समय अवधि में सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 से 27 मई,2025 तक विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सांकेतिक हड़ताड़ संभावित है, जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों व कान्ट्रैक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि सांकेतिक हड़ताल के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्धारित समय के अनुरूप सुनिश्चित करायी जाये और किसी प्रकार की विपरीत समस्या उत्पन्न न होने पाये, इसके लिए कांट्रैक्टर व अधिकारी सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें, जनपद सोनभद्र से जनपद के अलावा अन्य प्रान्तों में भी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सांकेतिक हड़ताल के दौरान किसी प्रकार की कोई अप्रिय समस्या उत्पन्न न होने पाये, इसके लिए सम्बन्धित सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें, सांकेतिक हड़ताल के दौरान कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे कि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने पायें, समस्या उत्पन्न होने पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव कुमार मिश्र, अधिशासी अभियन्ता विद्युत अशोक कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कौशल शर्मा मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में हुए नामित

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा को मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में नामित किए जाने से व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी व्यापारियों ने बधाई संदेश देते हुए कहा कि अब व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण मंडल स्तर पर होना आसान हो जाएगा क्योंकि इस बैठक में जिले के साथ-साथ मंडल के अधिकारी भी मौजूद रहते हैं जिसकी अध्यक्षता मंडलायुक्त स्वयं करते हैं जब व्यापारियों की समस्याएं उच्च स्तर पर पहुंचेगी तो जवाबदेही के साथ-साथ उनका निराकरण भी सुनिश्चित हो जाएगा।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में उद्योग बंधु की बैठकें तीन स्तर पर आयोजित की जाती है जो बैठक जिला स्तर पर की जाती है इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करते हैं जिसमें स्थानीय उद्यमियों की समस्याएं भूमि आवंटन ,अनापत्ति प्रमाण पत्र, और अनुमतियों से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है जो दूसरे स्तर की बैठक मंडल स्तर पर आयोजित की जाती है इसकी अध्यक्षता मंडलायुक्त द्वारा की जाती है इसमें क्षेत्रीय स्तर की समस्याओं एवं प्रस्तावों पर भी चर्चा की जाती है जो तीसरे स्तर की बैठक होती है वह राज्य स्तर की बैठक होती है इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री या औद्योगिक विकास मंत्री करते हैं इसमें नीतिगत मुद्दो, बड़े निवेश प्रस्ताव और राज्य में औद्योगिक विकास से संबंधित प्रमुख विषयों पर चर्चा होती है बधाई संदेश देने वालों में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री प्रीतिपाल सिंह नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल, नगर महामंत्री जसकीरत सिंह नगर कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ सांवरिया, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष क्रमशः धर्मराज सिंह, राजकुमार जायसवाल, यसपाल सिंह, रवि जायसवाल, राजेश जायसवाल ,दीप सिंह पटेल, कृष्णा सोनी, विनोद जायसवाल, टीपू अली, नागेंद्र मोदनवाल ,गुरप्रीत सिंह सोखी, पंकज कनोडिया, धर्मेंद्र प्रजापति, दिल करण सिंह, शिवम केशरी, अभिषेक केसरी ,प्रतीक केसरी, अमित वर्मा, मुकेश सोनी, अभिषेक सोनी, अभिषेक साहू ,मंटू केसरी, अमित केसरी, जिला मीडिया प्रभारी कुशाग्र कौशल, आईटी सेल प्रभारी सूर्या जायसवाल नगर संयोजक अमित अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव पर संगोष्ठी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। परम श्रद्धेय लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव पर संगोष्ठी संपन्न हुई कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी जी मौजूद रही। संगोष्ठी का शुभारंभ पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर मुख्यअतिथि सीमा द्विवेदी जी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी, जिला प्रभारी अनिल सिंह ने दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया।संगोष्ठी की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी व संचालन जिला महामंत्री/कार्यक्रम संयोजक रामसुन्दर निषाद ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी जी ने कहा कि पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी भारतीय इतिहास की उन महान नारियों में से है, जिन्होंने नारी शक्ति प्रशासनिक दक्षता और धार्मिकता का ऐसा आद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी स्मृति आज भी भारतीय जनमानस में श्रद्धा के साथ अंकित है, 31-मई-1725-को महाराष्ट्र के अहमदनगर जनपद स्थित चौड़ी ग्राम में जन्म अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रारंभ से ही विलक्षण प्रतिभा और प्रखर बुद्धि की धनी थी। 11-दिसंबर-1767 -को जब उन्हें विधिवत राज्याभिषेक का राज सिंहासन सौपा गया तब उन्होंने न केवल राज्य को स्थापित किया बल्कि अपनी दृष्टि न्यायाधीश से धर्मिष्ठा से उन्हें समृद्धि की ओर अग्रसर किया गया लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर परम शिव भक्त

थी उन्होंने होलकर समाज की समस्त संपत्तियों पर तुलसी जल रख कर उसे भगवान शिव को अर्पित किया रानी अहिल्याबाई होल्कर ने कई मंदिरों का निर्माण किया जिसमें सोमनाथ मंदिर गुजरात मोहम्मद गजनवी और औरंगजेब द्वारा नष्ट किया गया था यहां 12-ज्योतिर्लिंगों में से एक विश्वनाथ मंदिर वाराणसी 1776 में औरंगजेब द्वारा तोड़ा गया था यह भी ज्योतिर्लिंग बद्री केदारनाथ धाम 1785 हिमालय की दुर्ग क्षेत्र में स्थित चार धाम में से प्रमुख बद्रीनाथ धाम और द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक केदारनाथ धाम है जहां पर पूजन का प्रबंध कराया गया। जब पाकिस्तान के आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में घुमने गये पर्यटकों पर हमला किया और धर्म पुछकर केवल हिन्दू पुरुषो को गोली मारी गयी और उनकी महिलाओं से आतंकवादियों ने कहा कि जाकर मोदी से बताना तो मोदी जी ने आपरेशन सिन्दूर के माध्यम से ऐसा बदला लिया जो इतिहास के पन्नो मे दर्ज रहेगा।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि स्वाभिमान और प्रजा के प्रति सेवा के लिए महारानी अहिल्याबाई होल्कर को पुण्यश्लोक की उपाधि प्राप्त हुई थी। ब्राह्मण मे भगवान विष्णु, पांडव युधिष्ठिर, राजा नल और इंदौर के होल्कर वंश की महारानी अहिल्याबाई सहित चार को ही पुण्यश्लोक की उपाधि प्राप्त हुई थी। उन्होंने बताया कि पति, ससुर, पुत्र की मौत के बाद भी देश मे तीन हजार मंदिरों का निर्माण-पुनरोद्धार और महिलाओं के उत्थान और सुशासन के लिए अहिल्याबाई के महिला सशक्तिकरण संघर्षों की जीवन गाथा समाज के लिए अनुकरणीय है।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर उनके त्याग बलिदान को आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराएं। और बताया कि विभिन्न विद्यालयों में भाषण, रंगोली, पेंटिंग, प्रतियोगिता, महिला सशक्तिकरण के लिए दौड़, नदियों के घाटों पर स्वच्छता, अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धांजलि उनके जीवन पर प्रकाश डालना, पंचायत सम्मेलन, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों का ब्लॉक स्तर व जिला पंचायत प्रतिनिधियों का जिला पंचायत स्तर में कार्यक्रम व प्रदर्शनी आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें महिला जनप्रतिनिधियों की सहभागिता होंगी। संगोष्ठी मे मुख्यरूप से उपस्थित उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग जीत सिंह खरवार, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, धर्मवीर तिवारी, श्रवण सिंह गोंड, नागेश्वर गोंड, नगवा ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, कार्यक्रम के संयोजक रामसुन्दर निषाद, सह संयोजक प्रसन्न पटेल, उदयनाथ मौर्या, अनिल सिंह गौतम, अशोक कुमार मौर्या, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, दिलिप पाण्डेय, कैलास बैसवार, अनूप तिवारी, विशाल गुप्ता, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव, रामनिवास तोमर, विनय श्रीवास्तव, रामबली मौर्या, दिलिप चौबे, मनीष पटेल, विमलेश चौबे, सीमा गुप्ता, रामलाल चेरो, पुष्पा सिंह, गुडिया तिवारी, सुषमा सिंह गोंड, मीनू चौबे, कमलेश खांम्भे, दीपक दूबे, प्रभाशंकर मिश्रा, सत्येन्द्र आर्य, सुरेश शुक्ला, सुनिल सिंह, आकाश जायसवाल सहित आदि उपस्थित रहे।

खंड विकास अधिकारी ने जाना ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का हाल

आकांक्षात्मक ब्लॉक चतरा में खंड विकास अधिकारी मनोज मिश्रा द्वारा रामगढ़ प्रथम उपकेंद्र पर हो रहे ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का जायजा लिया गया नीति आयोग द्वारा चयनित ब्लॉक में खंड विकास अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण समेत निर्माण कार्यों पर जोर दिया जा रहा है उक्त के क्रम में खंड विकास अधिकारी द्वारा आज स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जानने हेतु भ्रमण किया गया ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर आज कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पूजा सिंह , ए एन एम सब्बो बानो के साथ आशा और आंगनवाड़ी मौजूद थे लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही थी गर्भवती महिलाओं की जांच समेत 30 साल से अधिक उम्र के व्यक्तियों का सुगर और उच्च रक्त चाप की जांच भी किया जा रहा था खंड विकास अधिकारी महोदय द्वारा लाभार्थियों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया साथ ही नीति इंडिकेटर को बेहतर बनाने हेतु सभी लाभार्थियों को बेहतर जांच एवं स्वास्थ्य सेवाएं देने हेतु स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया उक्त भ्रमण में खंड विकास अधिकारी द्वारा उपकेंद्र में स्थित सेवाओं पानी और सड़क समेत बिजली का भी जायजा लेते हुए उक्त समस्याओं को बेहतर करने का आश्वासन दिया गया उक्त मे पिरामल फाउंडेसन से वीरेंद्र कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

मन्ठहवा गांव में एक दर्जन लोग उल्टी दस्त से बीमार एक की मौत

डीएम ने लिया संज्ञान, तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सीएमओ को किये निर्देशित

सोनभद्र। जिलाधिकारी ब्लाक-चतरा, सोनभद्र द्वारा

बी0एन0 सिंह ने मन्ठहवा गांव के गिरियाटोला में कई लोग उल्टी-दस्त से बीमार की खबर को संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि तत्काल मौके पर पहुंचकर बीमार लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें एवं प्रकरण की जॉच आख्या भी उपलब्ध करायें, उक्त मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बीमार लोगों को स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जानकारी ली और उन्हें समुचित ईलाज की सुविधा उपलब्ध करायी गयी, मुख्य चिकित्साधिकारी ने उक्त प्रकरण में अवगत कराया है कि रात्रि में निन्दला मौर्या, ए0एन0एम0, उप केन्द्र-सिल्थम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चतरा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 शुभम त्रिपाठी को सूचित किया गया कि गिरियाटोला, मन्ठहवा में कई लोग उल्टी दस्त से बीमार है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मेडिकल टीम को उक्त ग्राम में भेजा गया तथा स्वयं उक्त ग्राम का निरीक्षण किया गया तथा ग्राम में कैम्प लगवाकर निरोधात्मक कार्यवाही की गयी। उक्त ग्राम में कुल उल्टी-दस्त से 13 व्यक्ति बीमार हुए थे, जिनमें 06 व्यक्ति को एम्बुलेंस द्वारा भर्ती कराया गया तथा 01 व्यक्ति की मृत्यु हुई है। उक्त ग्राम के निवासी संतोष कुमार पासवान द्वारा बताया गया कि 20 मई,2025 को ग्राम में सामूहिक भोज किया गया था, जिसमें सभी सम्मिलित हुए थे, कुछ लोगो ने बासी भोजन किया था, विनय पुत्र राम दुलारे की मृत्यु घर पर ही हुई थी, मृत्यु का स्पष्ट कारण प्राप्त नही है।वही रामगढ़ के मंन्ठहवा मे फूड प्वाइजन से एक युवक के मौत से स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल दी है ए उक्त बाते कॉग्रेस के पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने जारी बयान मे बताया है ए पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा की फूड पाइजन से एक युवा के मौत और 15 लोगो के बिमार होने के बाद भी स्वास्थ्य महकमा अभी नींद से जगा नहीं है जनपद मे स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त है, जिम्मेदार अधिकारी अभी तक गांवो मे दौरा कर फूड पाइजन से बचाव करने के दिशा मे बेहतर कार्य नहीं किए जा रहे है जिले मे बिना पंजीकरण के हॉस्पिटल, पैथोलॉजी सेंटर स्वास्थ्य विभाग के रहमोकरम पर संचालित हो रहा है जांच के नाम पर खानापूर्ति और वसूली की जा रही है जिससे प्राइवेट हॉस्पिटलो मे मरीजों का आर्थिक शोषण कर रहे है, जिला अस्पताल मे दलालो का अड्डा बन गया है मरीजों को गुमराह कर प्राइवेट हॉस्पिटल मे भर्ती करवा कर उनका दोहन किया जाता है स्वास्थ्य विभाग अपने रवैये मे सुधार नहीं लाता तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी गई श्रद्धांजलि कांग्रेसियों ने किया अपने पूर्व प्रधानमंत्री को याद

सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई । कार्यक्रम में बातौर मुख्य अतिथि उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयोजक विधि सिंह ने कहा कि आज देश को जहां रहना

चाहिए था आज हमारा देश उस जगह नहीं है जिस सोच के साथ हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी 21वीं सदी के भारत को 19वीं सदी में देख रहे थे उस सोच को खत्म करने का काम इस वर्तमान सरकार ने किया है और देश का नौजवान सबसे ज्यादा पिछले 11 सालों में पीछे हुआ है ये कहना कतई गलत नहीं होगा कि इस देश को सजाने का काम कांग्रेस ने किया और लूटने का काम गैर कांग्रेस सरकार ने किया ।कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश संयोजक राम आधार जोसेफ ने कहा कि राजीव युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे पंचायती राज लाने का कारण देश के निचले तपके के गांव में रहने वाले किसान को अधिकार देने का था लेकिन उनके जाने के बाद उनकी सोच पर विराम लग गया ।कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे जिला सोनभद्र के अध्यक्ष आदिवासियों के नेता रामराज सिंह गोंड ने कहा कि हमारे पूर्व सांसद राम प्यारे पनिका जी हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के बहुत करीबी थे और यह दिखाता है कि अगर दलित/ आदिवासियों से सबसे ज्यादा किसी ने प्रेम किया है तो वह कांग्रेस ने किया है, सहर अध्यक्ष फरीद खान ने कहा कि कांग्रेस हमेशा सबको साथ लेकर चलने का काम करती है और आज सबके हाथों में जो यह संचार की व्यवस्था है वह राजीव गांधी की सोच थी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश संयोजक जितेंद्र पासवान ने कहा कि राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी है जब उनकी सोच के साथ हम सभी लोग आगे बढ़े ,प्रदेश संयोजक कमलेश ओझा ने कहा कि सशक्त भारत का निर्माण कांग्रेस कर सकती है और किसान नौजवान को अधिकार भी कांग्रेस दे सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश देव पांडे ने कहा कि जब युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हुआ करते थे उस समय शक्ति नगर के कार्यक्रम में राजीव से मुलाकात हुई थी और उनकी सोच और विचार को देखकर यह लगता था कि देश उन्हीं के साथ उन्हें के हाथों में सुरक्षित था और एक सोच थी जो सबको साथ लेकर चलती थी । पूर्व-सहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि आज देश राजीव को याद कर रहा है क्योंकि उनकी सोच और विचार का नेता की वर्तमान समय में कमी है त्उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय छात्र संघटन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र नारायण ने कहा कि गांव में पंचायत बनाने का व अधिकार देने का कारण मूल्य था की गांव का प्रधान भी चेक काटे और गांव की समस्या गांव में ही हल हो जाए उसके लिए उसको रोज-रोज शहर तक ना दौड़ना पड़े यह सोच राजीव गांधी जी की थी, एन वर्तमान जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी ने कहा कि आज भी राजीव जी की किए गए कार्य को अगर देखा जाए तो वर्तमान सरकार की स्थित क्या है ये दिखता हैं ।कार्यक्रम में उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि यह कहना सोनभद्र जनपद की नीव अगर रखने का काम किसी ने किया तो कांग्रेस ने किया एनटीपीसी, हिंडाल्को ,रिहंद डैम, चुर्क,डाला फैक्ट्री सोनभद्र की बानी सारी नहरे दर्शाती है कि नौजवानों के लिए किसानों के लिए व्यापारियों के लिए दलित/ आदिवासियों के लिए आम जनमाश के लिए कांग्रेस की और राजीव गांधी की सोच क्या थी ।

अधिवक्ता के आर्थिक हितार्थ कल्याण निधि की स्थापना को सयुक्त बैठक सम्पन्न

सोनभद्र । अधिवक्ता के आर्थिक विकास तभी होगा जब हमें किसी

सहयोग के लिए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र व सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र की संयुक्त बैठक वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष भोला सिंह यादव के अध्यक्षता में संपन्न हुई ! जिसमें अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु दोनों बार अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनने पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया! संयुक्त बार बैठक को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु अधिवक्ता कल्याण न्यास का गठन एक दूरदर्शी एवं अधिवक्ताओं के हित में है जहां अधिवक्ताओं की बात होती है वहां डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र हमेशा खड़ा रहता है ! हमारा बार डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र अधिवक्ता कल्याण न्यास के गठन के लिए तैयार है इसके गठन से सभी वर्गों के अधिवक्ताओं का उत्थान होगा तथा उन्हें सभी के सहयोग से न्यास के माध्यम से आर्थिक सहयोग दिया जा सकेगा !सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार चौबे ने कहा कि अधिवक्ताओं के समग्र आकस्मिक समय पर बार आर्थिक सहयोग करता है तभी हम एक दूसरे से जुड़े रहते हैं इसी को ध्यान में रखते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन व सोनभद्र बार एसोसिएशन की सयुक्त बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से पास हुआ कि दोनों संगठन अपना अलग-अलग अधिवक्ता कल्याण न्यास बनाएंगे, इसके लिए सोनभद्र बार एसोसिएशन की तरफ से तरफ से अधिवक्ता विनोद कुमार चौबे व शारदा प्रसाद मौर्य को जिम्मेदारी दी गई तथा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की तरफ से यह जिम्मेदारी अधिवक्ता पवन कुमार सिंह व राजेश कुमार यादव को दी गई ! यह लोग दो दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे ! संचालन अधिवक्ता राजेश कुमार मौर्य ने किया ! संयुक्त बैठक में प्रदीप कुमार मौर्य, सुरेश सिंह कुशवाहा, राम गुल्ली यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, विमल प्रसाद सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, कामता प्रसाद यादव, रमेश चंद्र सिंह, टीटू गुप्ता, शाहनवाज आलम खान, राजकुमार सिंह, अविनाश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

अंगुली पकड़ के ले आया मुझे, खाटू नगरी घुमाया मुझे,संजीव शर्मा

सोनभद्र। शरणागत श्री श्याम महोत्सव में उमड़ी जन सैलाब भजन गायक संजीव शर्मा ने भक्तों को भजन सुनाए जिसमें अंगुली

पकड़ के ले आया मुझे, खाटू नगरी घुमाया मुझे, श्याम ओ मेरे श्याम मैं तेरा लाडला हारे हारे हारे के सहारे, बैठा जो खाटू में उस से कहना है, श्याम मेरे श्याम श्याम मेरे श्याम व अन्य भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। वही, रायपुर छत्तीसगढ़ से रेशमी शर्मा, कोलकाता से सौरभ शर्मा,संजू शर्मा, दिल्ली से शीतल पाण्डेय, आदि कोलकाता, खाटू धाम,राबर्टसगंज से आए भजन प्रवाहक पूरी रात बाबा रिझाए। श्याम का ज्योत के लिए भक्तों की अपार भीड़ लगी रही।आयोजक श्री श्याम भक्त मंडल राबर्टसगंज पावन सानिध्य श्री श्याम कला भवन पुनीत जैन,पवन कुमार जैन, रवि केजरीवाल, परमेश जैन,अशोक मिश्रा ,डॉ रोहित केडिया,संजय अग्रवाल उर्फ शैलू,अमित जैन, दुर्गा परशुराम पुरिया, मनोज परशुराम पुरिया ने कार्यक्रम को लेकर आयोजक का सहयोग किया। इस दौरान दरबार में बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने लंबी लाइन में लगकर बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। वहीं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सप्तम श्री श्याम महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ होटल अरिहंत के प्रांगण में संगीत मय कार्यक्रम संपन्न हुआ। नगर में सप्तम श्री श्याम महोत्सव शरणागतम बुधवार की देर शाम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। इसके साथ ही विशेष रूप से बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही खाटू श्याम बाबा को छप्पन भोग लगाए गए। वहीं श्री श्याम भक्त मंडल जिसमें श्याम बाबा के लाडले खाटूश्यामजी के श्याम सिंह , पुरुषोत्तम शर्मा , राबर्ट्सगंज से

स्पोर्ट्स

कुलदीप यादव ने मुकेश कुमार पर दिखाया गुस्साःरोहित से भी छूटा आसान कैच,सूर्या-नमन ने आखिरी 12 गेंदों में 48 रन बनाए

नई दिल्ली। आईपीएल-18 के 63वें मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रन से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 18.2 ओवर में 121 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ मुंबई प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी। बुधवार को रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। मुकेश कुमार ने सूर्यकुमार यादव का कैच छोड़ा जिसके बाद बॉलर कुलदीप यादव उन पर भड़क गए। रोहित शर्मा ने विपराज निगम का आसान-सा कैच छोड़ दिया। सूर्यकुमार यादव ने मुकेश कुमार की बॉल पर सिक्स लगाकर फिफ्टी पूरी की।भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में मैच से पहले राष्ट्रगान बजा। आईपीएल में मैच से पहले आमतौर पर नेशनल एंथम नहीं बजाया जाता, लेकिन आर्मी के सम्मान में बुधवार को ऐसा किया गया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था।रायन रिकेलटन ने दूसरा ओवर डाल रहे दुष्मंथा चमीरा की बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। इस ओवर से 15 रन आए। चमीरा ने ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ पर बॉल फेंकी। रिकेलटन ने आगे कदम बढ़ाया और नॉन-स्ट्राइकर के सिर के ऊपर से शानदार छक्का लगा दिया।चमीरा ने इस बार ऑफ स्टंप के बाहर छोटी बॉल फेंकी। रिकेलटन ने लाइन में आकर लॉन्ग ऑफ के ऊपर से बॉल को सिक्स के लिए भेज दिया।सातवां ओवर डाल रहे कुलदीप यादव की बॉल पर मुकेश कुमार ने सूर्यकुमार यादव का कैच छोड़ा। इसकी अगली ही बॉल पर उन्होंने विकेट ले लिया।: कुलदीप यादव को सूर्यकुमार यादव ने स्वीप शॉट खेला, लेकिन गेंद टॉप-एज लेकर हवा में खड़ी हो गई। मुकेश शॉर्ट फाइन लेग से बाई ओर बढ़े और स्ट्रेच करके डाइव भी लगाई, लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर जमीन पर गई। यहां बॉलर कुलदीप यादव उन पर गुस्सा कर बैठे। जवाब में मुकेश ने भी उन्हें कुछ कहा।कुलदीप ने रायन रिकेलटन को ओवरपिच बॉल फेंकी। उन्होंने हवा में स्वीप शॉट खेला। डीप पर खड़े माधव तिवारी ने डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया। रिकेलटन 25 रन बनाकर आउट हुए।18 ओवर के बाद एमआई का स्कोर 5 विकेट खोकर 132 रन था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और नमन धीर ने मिलकर बचे 2 ओवर में 48 रन बना डाले। मुकेश कुमार ने सूर्यकुमार को वाइड यॉर्कर बॉल फेंकी। सूर्या ने इसे एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से शानदार तरीके से छक्के के लिए भेज दिया। इसी के साथ सूर्यकुमार ने अपनी फिफ्टी भी पूरी की। मुकेश कुमार ने ऑफ स्टंप के बाहर छोटी बॉल फेंकी। नमन ने इसे एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से चार रन के लिए भेज दिया।इस बार नमन धीर ने यॉर्कर लेंथ की बॉल पर सिक्स लगा दिया। धीर ने अपनी कलाइयों को तेजी से घुमाया और इसे वाइड लॉन्ग ऑन बाउंड्री के ऊपर से 6 रन के लिए भेज दिया।समीर रिजवी से कैच छूटा, पांचवीं बॉलः मुकेश कुमार की ऑफ स्टंप के बाहर धीमी बाउंसर बॉल पर धीर ने पुल शॉट खेला। बॉल लॉन्ग ऑन पर समीर रिजवी के ऊपर से सिक्स के लिए चली गई। रिजवी यहां बॉल को जज नहीं कर सके और उनसे कैच छूट गया।ओवर की आखिरी बॉल पर नमन धीर ने कवर के ऊपर से चौका लगा दिया। इस ओवर से 27 रन आए।पहली बॉलः दुष्मंथा चमीरा ने वाइड लेंथ पर बॉल फेंकी। सूर्या ने गेंद को धीरे से एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से चार रन के लिए भेज दिया। चमीरा की स्लोअर बॉल को सूर्यकुमार यादव ने डीप मिडविकेट के ऊपर से सिक्स लगा दिया। इस बार चमीरा ने यॉर्कर लेंथ फेंकने की कोशिश की लेकिन बॉल फुल टॉस हो गई। सूर्या ने बैठक लगाकर डीप मिडविकेट पर लगातार दूसरा सिक्स लगा दिया।चमीरा ने इस बार ऑफ स्टंप के बाहर यॉर्कर बॉल फेंकी। सूर्यकुमार ने चलाकी से इसे थर्डमैन की तरफ गाइड करके चौका लगा दिया। ओवर से कुल 21 रन आए।दिल्ली की पारी का पांचवां ओवर फेंक रहे विल जैक्स ने अपनी पहली ही बॉल पर विकेट ले लिया। हालांकि अभिषेक के बाद बैटिंग करने आए विपराज निगम ने उन पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई। रिकेलटन ने अभिषेक पोरेल को स्टंपिंग किया 5वें ओवर में दिल्ली ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां अभिषेक पोरेल 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें विल जैक्स ने रायन रिकेलटन के हाथों स्टंप कराया। ओवरपिच बॉल पर ड्राइव शॉट खेलने गए अभिषेक अपना बैलेंस नहीं संभाल पाए।अभिषेक के आउट होने के बाद विपराज निगम ने विल जैक्स की बॉल पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई। उन्होंने तीसरी बॉल पर छक्का लगाया। फिर चौथी और 5वीं बॉल पर चौके लगाए।छठे ओवर में रोहित शर्मा से विपराज निगम का कैच छूटा गया। सैंटनर ने ओवर की आखिरी बॉल फुल लेंथ पर डाली। विपराज कवर की ओर खेलना चाहते थे। बॉल बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े रोहित शर्मा के हाथों पर गई, लेकिन वे इसे कैच नहीं कर सके। हालांकि मिचेल सैंटनर के ओवर में विपराज 20 रन पर उन्हीं को कैच दे बैठे।विल जैक्स से समीर रिजवी का कैच छूटा 11वें ओवर में समीर रिजवी को जीवनदान मिला। कर्ण शर्मा के ओवर की चौथी बॉल पर विल जैक्स कैच को मिस जज कर गए और बॉल बाउंड्री के बाहर चली गई। ओवर की आखिरी बॉल पर आशुतोष शर्मा ने छक्का लगाया। इस ओवर 16 रन आए। 12वें ओवर की 5वीं बॉल पर मिचेल सैंटनर के पास उन्हें अपनी ही बॉल पर कैच करने का मौका था, लेकिन वे एक हाथ से बॉल को पकड़ नहीं सके। यहां समीर ने सामने की तरफ तेजी से शॉट खेला था। रिजवी 39 रन बनाकर आउट हुए।फाफ डु प्लेसिस आईपीएल के चौथे सबसे उम्रदराज कप्तान बने। उन्होंने आज दिल्ली के रेगुलर कप्तान अक्षर पटेल के बीमार पड़ जाने पर टीम की कप्तानी की। फाफ की उम्र 40 साल और 312 दिन है। इस सूची में पहले नंबर पर चेन्नई के कप्तान एम एस धोनी है, जिनकी उम्र 43 साल 317 दिन है। कुलदीप यादव ने आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे किए। उन्होंने पहले ओवर में रायन रिकेलटन को माधव तिवारी के हाथों कैच कराया। इसके लिए उन्होंने 97 मैच लिए।सूर्यकुमार यादव टी-20 क्रिकेट में लगातार 25+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज में तेम्बा बावुमा की बराबरी की। दोनों के लगातार 13-13 25प्लस स्कोर बनाए हैं।

इंडियन वूमेन क्रिकेटर दीप्ति शर्मा से 30 लाख का फ्रॉड,भाई बोला-दीदी की जूनियर ने पैसे लेकर नहीं लौटाए, आगरा में कराई एफआईआर

आगरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी दीप्ति शर्मा के साथ 30 लाख की ठगी हुई है। उन्होंने साथी खिलाड़ी और उसके माता-पिता पर धोखाधड़ी और फ्लैट में चोरी का आरोप लगाया है। दीप्ति शर्मा के भाई ने गुरुवार को सदर थाने में शिकायत दी। उन्होंने कहा कि दीदी की जूनियर ने पैसे लेकर नहीं लौटाए। पैसे मांगने पर अभद्रता भी की। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।सुमित शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा- मेरी बहन दीप्ति भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी हैं। यूपी पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं। उनकी जूनियर क्रिकेटर आरुषि गोयल आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर जूनियर क्लर्क के पद कार्यरत हैं। एक ही टीम की खिलाड़ी होने के चलते दोनों में दोस्ती हो गई। दोनों एक-दूसरे पर भरोसा करने लगीं। आरुषि के माता-पिता ने इसका फायदा उठाया। आरुषि के माता-पिता ने सोची समझी साजिश के तहत निजी जरूरत बताते हुए दीप्ति से करीब 2 साल में अलग-अलग तारीख पर 25 लाख रुपए ले लिए। दीप्ति को उन्होंने विश्वास दिलाया कि जल्द ही सारी रकम वापस कर देंगे। मगर, जब काफी समय हो गया तो दीप्ति ने रुपए वापस मांगे। आरुषि के घर वाले टालमटोल करने लगे। रुपए मांगने पर अभद्र व्यवहार करने लगे।सुमित शर्मा ने बताया- बहन राजेश्वर मंदिर के पास फ्लैट में रहती है। उसने आरुषि की हरकतों को देखकर उसका फ्लैट पर आना बंद करा दिया था। मगर, 22 अप्रैल को आरुषि दोपहर करीब 12 बजे फ्लैट पर गई।ताला तोड़कर अंदर रखे सोने-चांदी के जेवर और करीब ढाई हजार डालर और अन्य सामान बैग में भरकर ले गई। जाते-जाते वो फ्लैट पर अपना ताला डालकर चली गई।सुमित ने बताया- इसके बाद आरुषि ने 23 अप्रैल को दीप्ति को फोन किया। दीप्ति विदेश में थी। भाई से कहा कि फ्लैट में उसका सामान है, वो निकालना है। दीप्ति ने मुझे सामान निकलवाने के लिए भेजा। जब फ्लैट का दरवाजा खोला तो ताला नहीं खुला। इस पर आरुषि ने दूसरी चाबी से ताला खोल दिया।उसने बताया कि दीप्ति ने ताला बदल दिया था। इसके बाद वो दिखाने के लिए कुछ सामान ले गई। जब हमने आस-पास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि वो एक दिन पहले सामान ले जा चुकी है। तब चोरी की जानकारी हुई।सदर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया कि आरुषि और उसके माता-पिता के खिलाफ करीब 30 लाख की धोखाधड़ी और चोरी की एफआईआर दर्ज हुई है।

गर्मी में बच्चों को डायरिया और डिहाइड्रेशन का ज्यादा खतरा,इन 7 लक्षणों को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। मई का महीना आधे से ज्यादा बीत चुका है। हर बीतते दिन के साथ तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। ऐसे में भीषण गर्मी और लू के कारण छोटे बच्चों में डिहाइड्रेशन, डायरिया, उल्टी-दस्त और बुखार जैसी स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ने लगती हैं। अस्पतालों में इन समस्याओं से पीड़ित बच्चों की संख्या में भी इजाफा होने लगता है। यह स्थिति खासकर कमजोर और कुपोषित बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।अगर डायरिया या डिहाइड्रेशन के लक्षणों को नजरअंदाज किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि गर्मी के इस मौसम में बच्चों की सेहत पर खास ध्यान दिया जाए और किसी भी लक्षण को हल्के में न लिया जाए। तो समझते हैं डायरिया क्या हैं और इससे कितनी मौते होती हैं डायरिया क्या है?जवाब- यह एक पेट की बीमारी है, जिसमें बार-बार पतला या पानी जैसा दस्त (मल) होने लगता है। यह तब होता है, जब पेट सही से खाना नहीं पचा पाता या किसी तरह का इन्फेक्शन हो जाता है। इसका सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को होता है। डायरिया में शरीर से पानी और नमक (सोडियम) तेजी से निकल जाता है, जिससे बच्चा सुस्त और डिहाइड्रेट हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, डायरिया से हर साल 5 वर्ष से कम उम्र के करीब 4.43 लाख और 5-9 वर्ष की उम्र के लगभग 50 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत होती है। इसलिए इसके लक्षणों को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। नीचे दिए ग्राफिक में डायरिया के लक्षण देख सकते हैं।बच्चों का शरीर पूरी तरह विकसित नहीं होता, इसलिए उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। अक्सर बच्चे बिना हाथ धोए खाना खा लेते हैं या गंदे खिलौने और अन्य सामान मुंह में डाल लेते हैं। इससे बैक्टीरिया और वायरस उनके पेट में चले जाते हैं, जिससे डायरिया हो सकता है। गर्मी के मौसम में इन्फेक्शन फैलने का खतरा और बढ़ जाता है, इसलिए यह समस्या आम हो जाती है। डॉ. अंशु शर्मा बताती हैं कि नवजात शिशु का शरीर बहुत नाजुक होता है। तापमान में हल्का-सा बदलाव भी उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। उनकी देखभाल में बेहद सावधानी की जरूरत होती है। इसलिए नीचे दी गई कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।6 महीने तक के शिशु को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। यही उसका खाना, पानी और दवा है।जन्म से करीब 6 महीने तक उसे सीधी धूप, गर्म कमरे या भीड़भाड़ वाली जगहों पर न ले जाएं। एसी या कूलर की हवा सीधे न लगने दें, लेकिन कमरे को ठंडा रखें।बच्चे को ढीले, हल्के रंग के कॉटन कपड़े पहनाएं। अगर बच्चे के कपड़े बार-बार कपड़े गीले हों तो उन्हें तुरंत बदलें।गर्मी में रैशेज का खतरा बढ़ता है, इसलिए डायपर समय पर बदलें और स्किन को सूखा रखें।रोज हल्के गुनगुने या सामान्य ताजे पानी से नहलाएं। नहलाने के तुरंत बाद शरीर को सुखाकर कपड़े पहनाएं।नवजात को गोद लेने से पहले हाथ जरूर धोएं। साथ ही बच्चे के आसपास साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।अगर न्यू बोर्न बेबी को पसीना ज्यादा आ रहा हो, वह दूध नहीं पी रहा हो, सुस्त हो या लगातार रो रहा हो तो ये डिहाइड्रेशन या इन्फेक्शन का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। गर्मी में बच्चे बहुत जल्दी थकते हैं, उन्हें पसीना ज्यादा आता है और शरीर में पानी की कमी जल्दी हो सकती है। ऐसे में उनका खान-पान और पानी पीने की आदत पर खास ध्यान देना जरूरी है। उसे छाछ, गन्ने का जूस, नारियल पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स भी दे सकते हैं।बच्चों को गर्मियों में ऐसा खाना दें, जो आसानी से पच जाए। जैसे दाल-चावल, रोटी-सब्जी, खिचड़ी। बासी या बाहर का खाना बिल्कुल न दें।तरबूज, खरबूजा, पपीता, आम, खीरा, ककड़ी जैसे फल बच्चों के शरीर को ठंडक देते हैं। साथ ही शरीर में पानी की कमी नहीं होने देते हैं।बच्चों को तीखा, ज्यादा तला-भुना या तेल वाला खाना बिल्कुल नहीं देना चाहिए। इससे पेट खराब हो सकता है।अगर बच्चा स्कूल जाता है तो उसे साफ पानी की बोतल दें। उसे ये भी बताएं कि थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहना कितना जरूरी है। अगर डायरिया के लक्षण दो दिन से ज्यादा दिखे तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। अगर मल में खून दिखे, तेज बुखार हो, बार-बार उल्टी हो या बच्चा बहुत सुस्त लगे तो यह भी खतरे के संकेत हो सकते हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर शरीर वाले लोगों में डायरिया जल्दी गंभीर हो सकता है। इसलिए उनके मामले में किसी भी लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पेरेंटिंग- मेरी 9 साल की बेटी को जल्दी आएंगे पीरियड्स,मैं उसे इस बारे में अभी से कैसे बताऊं, शर्म और संकोच महसूस होता है

नई दिल्ली। अगर आप पेरेंट हैं तो यह चीज़ आपके सामने से भी गुजरी होगी एक पात्र जिनका कहना था मैं यूपी की रहने वाली हूं। मेरी बेटी 9 साल की है। मुझे पता है कि जल्द ही मेरी बेटी को पीरियड होंगे। लेकिन मुझे इस विषय पर अपनी बेटी से बात करने में संकोच हो रहा है। वजह ये है कि मेरी परवरिश भी बहुत कंजरवेटिव तरीके से हुई, जहां पीरियड एक बड़ा टैबू हुआ करता था। हम लड़कियों को इसे हमेशा छिपाने के लिए कहा जाता था। लेकिन मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटी के साथ भी ऐसा हो। मैं अपनी बेटी के लिए एक मॉडर्न मम्मी बनना चाहती हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि उसे इस बारे में कैसे समझाऊं? कृपया मेरी मदद करें। तो उसका जवाब हैं- मैं आपकी चिंता समझ सकती हूं। यह सच है कि हमारे समाज में पीरियड्स को लेकर बहुत सी गलतफहमियां और टैबू हैं। लेकिन यह अच्छी बात है कि आप अपनी बेटी के लिए एक खुला और सकारात्मक माहौल बनाना चाहती हैं। आज के समय में बच्चियों को इस बारे में सही जानकारी देना बहुत जरूरी है ताकि वे खुद को और अपनी शरीर को अच्छे से समझ सकें। लेकिन अफसोस है कि हमारे देश में पीरियड्स को लेकर इतनी [illegible] जागरूकता है कि इक्कीसवीं सदी में भी लोग इस पर बात करने में शर्म महसूस करते हैं। महिलाओं को अपने पीरियड्स के दाग छिपाने पड़ते हैं। उन्हें सैनेटरी पैड्स को अपने भाई और पिता की नजरों से छिपाकर रखना पड़ता है। यही वजह है कि वह शर्म और टैबू की भावना से उबर नहीं पाती हैं। ऐसे में बच्चियों को पीरियड्स के बारे में खुलकर जानकारी देनी चाहिए, जिससे पीरियड शुरू होने से पहले उन्हें पता हो कि उनकी बॉडी में क्या बदलाव होने वाला है।एक मां के तौर पर आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी बेटी को समय रहते धीरे-धीरे इस बदलाव के लिए तैयार करें। ताकि जब उसके साथ पहली बार ऐसा हो तो वह बिना डरे और बिना घबराए इसका सामना करे। साथ ही उसे पहले से पता हो कि ये एक नेचुरल प्रोसेस है।उसे यह भी बताएं कि यह सिर्फ उसके साथ नहीं हो रहा, बल्कि उसकी क्लासमेट्स, टीचर्स, यहां तक कि उसकी फेवरेट एक्ट्रेस और दुनिया की हर महिला के साथ होता है। यह महिला शरीर का एक सामान्य हिस्सा है और इसे जानना, समझना और स्वीकार करना जरूरी है।आप चाहें तो उसे समझाने के लिए बायोलॉजी की किताब, फीमेल बॉडी चार्ट या यूट्यूब पर मौजूद भरोसेमंद एजुकेशनल वीडियोज का सहारा ले सकती हैं। कहानियों और उदाहरणों के जरिए भी इस विषय को सहज और रोचक बनाकर बताया जा सकता है, ताकि वह अपने शरीर के बदलावों को बेहतर तरीके से समझ सके और खुद को लेकर आत्मविश्वासी महसूस करे।आपकी जिम्मेदारी है कि बच्ची को अभी से धीरे-धीरे मानसिक रूप से पीरियड के लिए तैयार करें। उसे यह जरूर बताएं कि पहली बार जब ऐसा हो तो डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। यह एक सामान्य और नेचुरल प्रक्रिया है।आप चाहें तो अपना अनुभव भी साझा कर सकती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि अगर आपका पहला अनुभव डरावना या नेगेटिव रहा है तो उसे बिल्कुल न बताएं। कई बार लड़कियों को पहली बार पीरियड्स आते समय कुछ भी जानकारी नहीं होती और वे सोचती हैं कि उन्हें कोई गंभीर बीमारी हो गई है। इस तरह का डर बच्ची के मन में न बैठे, इसलिए जरूरी है कि आप उसे पॉजिटिव और सटीक जानकारी दें। बच्ची को बताएं कि अगर पहली बार उसे स्कूल में पीरियड हो तो वह तुरंत किसी महिला टीचर के पास जाए और उन्हें धीरे से बताए कि उसे क्या हुआ है। टीचर्स ऐसे मौकों पर मदद के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।वहीं अगर वह किसी रिश्तेदार के घर पर है और अचानक उसे पीरियड्स आ जाएं तो वह डरे नहीं, बल्कि जो भी महिला पास में हों (बुआ, चाची, मौसी या दादी) उनके पास जाए और उन्हें बताए। यह बहुत जरूरी है कि बच्ची को पहले से ये भरोसा और तैयारी दी जाए कि ऐसी स्थिति में क्या करना है। इससे वह खुद को असहाय या अकेला महसूस नहीं करेगी।इस तरह पॉजिटिव तरीके से बच्ची को आने वाले दो-तीन सालों में इस बात के लिए धीरे-धीरे करके तैयार करिए कि ऐसा एक दिन होगा। इससे वह मेंटली इस चीज के लिए तैयार होगी। बच्ची को समझाने के लिए नीचे ग्राफिक में दिए कुछ और तरीके भी अपना सकती हैं।इसके बाद बच्ची को धीरे-धीरे एक फीमेल बॉडी की डिजाइन के बारे में बताएं। जैसेकि पीरियड्स क्या होते हैं, ये क्यों होते हैं और उनके शरीर के लिए कितने जरूरी हैं। ये सारी बातें उसे वैज्ञानिक तरीके से बताएं, समझाएं और इस बारे में सहज करें। ये चीजें बच्ची के लिए मददगार साबित होंगी। इससे उसमें ये 8 बदलाव होंगे।अगर बातचीत के दौरान बेटी पीरियड्स को लेकर कुछ सवाल पूछती है तो बहुत ही सहज तरीके इसका जवाब दें। ताकि बच्ची इस प्रक्रिया को समझ सके। बच्ची को बताएं कि इस उम्र में उसे किन बातों को लेकर सावधानियां बरतनी हैं।धीरे-धीरे उसे ये भी बताएं कि पीरियड्स के दौरान सैनिटरी पैड का इस्तेमाल किया जाता है। इसके इस्तेमाल का तरीका भी बताएं। उसको ये जानकारी भी दें कि पीरियड लगभग कितने दिन होते हैं। इसका साइकल कितने दिन में पूरा होता है।इस उम्र में मां को बच्ची की दोस्त बनकर रहना चाहिए। अगर आप चाहती हैं कि बेटी खुलकर आपसे हर बात शेयर करे तो उसके साथ ज्यादा समय बिताएं। इससे वह सहज होगी और बिना डरे हर बात आपसे शेयर करेगी।आपकी ये भी जिम्मेदारी है कि इस उम्र में बेटी की शरीर में आने वाले बदलावों पर गौर करें।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

कोरोना का डर नहीं रहा? 5 काम करने वालों को कभी भी पकड़ लेगा नया वैरिएंट जेंएन-1, वैक्सीन भी नहीं बचा पाएगी

नई दिल्ली। हर कुछ महीने में कोरोना का नया वैरिएंट देखने को मिल जाता है। जो पहले से ज्यादा संक्रामक निकलता है। मगर लोग अब बेफिक्र हो गए हैं, उन्हें लगता है कि यह जल्दी नहीं होता। लेकिन 5 काम करने वालों को यह अभी भी दिन में तारे दिखा सकता है।साल 2020 की शुरूआत में कोरोना ने हाहाकार मचा दिया था। पूरी दुनिया में लाशों का ढेर लग रहा था। लेकिन अब इसके मामले कम निकलते हैं और बीमारी की गंभीरता भी कम होती है। इसलिए लोगों को लगने लगा है कि अब कोरोना खतरनाक नहीं है। मगर ध्यान रखें किसी भी बीमारी में बचाव ही सबसे बेस्ट दवा है। लेकिन ऐसे लोगों को यह जानना जरूरी है कि कोरोना का नया वैरिएंट जेंएन-1 आक्रामक होने लगा है। भारत में इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कुछ मौतें भी देखने को मिली है। हर थोड़े वक्त में सार्स-सीओवी-2 का नया स्ट्रेन सामने आ जाता है, जो पहले से खतरनाक होता है। यह वाला स्ट्रेन काफी तेजी से फैल रहा है और सावधानी बरतने की जरूरत है। अगर आप 5 काम करते हैं तो आपको इसके संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा है। ध्यान रहे कि ये 5 काम करने वाले लोगों को वैक्सीन भी संक्रमित होने से नहीं बचा सकती। क्योंकि ऐसा बहुत बार देखा गया है कि वैक्सीन लगवाने के बाद भी लोगों को कोविड इंफेक्शन हो जाता है। क्योंकि वक्त के साथ इसका असर कम होने लगता है।

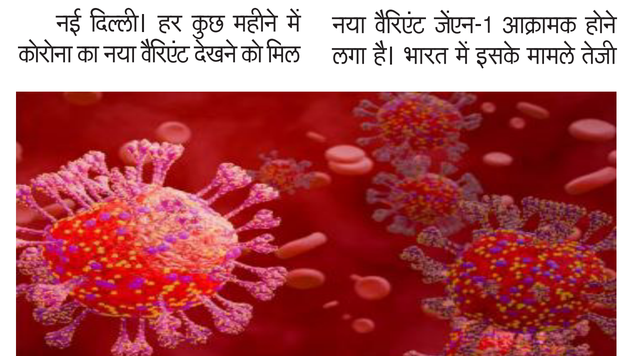

16 साल बदल गया मन, अब डब्लूडब्लूई में वापसी करना चाहता है ये पूर्व चैंपियन, खुद कबुली ये बात

नई दिल्ली। डब्लूडब्लूई की दुनिया में कुछ भी हो सकता है। यहां कभी भी कुछ भी मुमकिन है। डब्लूडब्लूई कई बड़े नामों का घर रहा है। इस प्रमोशन में रेसलिंग करने वाले कई सितारों ने बाहर भी बड़ी सफलता हासिल की है। अब पूर्व यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन, मिस्टर कैनेडी ने डब्लूडब्लूई में वापसी करने की इच्छा जताई है। उन्होंने क्रिस वैन विलेट के साथ बातचीत में यह बात कही। मिस्टर कैनेडी जो अपनी शानदार माइक स्किल्स और दमदार अंदाज के लिए जाने जाते हैं। मिस्टर कैनेडी 2000 के दशक के मध्य में एक लोकप्रिय सुपरस्टार थे। उन्होंने स्मैकडाउन में डेब्यू किया और अपनी खास पहचान बनाई। वे 2007 में मनी इन द बैंक के विजेता भी रहे। उन्होंने 16 सालों से डब्लूडब्लूई में काम करने की इच्छा नहीं जताई थी, लेकिन अब उनका मन बदल गया है। 2009 में एक विवाद के बाद उन्हें डब्लूडब्लूई से निकाल दिया गया था। अब वे फिर से डब्लूडब्लूई में आना चाहते हैं।मिस्टर कैनेडी ने कहा कि पहले वे डब्लूडब्लूई में वापस नहीं आना चाहते थे। खासकर जब वे टीएनए में थे। लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था, मैं भगवान की कसम खाता हूं। मेरी कोई इच्छा नहीं थी। जब मैं टीएनए में था, तो मैंने सोचा था कि मैं कभी वापस नहीं जाऊंगा। मैं उनके लिए फिर कभी काम नहीं करूंगा। अब यह बदल गया है। मैं निश्चित रूप से अब वापस जाऊंगा।'मिस्टर कैनेडी का डब्लूडब्लूई से अलग होने का कारण एक विवाद था। वे कंपनी के टॉप स्टार बनने वाले थे। लेकिन एक मैच के बाद उन्हें निकाल दिया गया।

सम्पादकीय

सिक्के की तरह जीवन में भी दो पहलू हैं, आप क्या चुनते हैं

शुक्रवार, 9 मई की शाम को मैं काम के सिलसिले में उज्जैन जा रहा था। संयोग से उस दिन प्रदोष व्रत था, जो कि हर महीने दोनों पक्षों (शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष) की त्रयोदशी को पड़ता है। यह उन महत्वपूर्ण हिंदू व्रतों में से है, जिसे मेरी मां बहुत श्रद्धा से करती थीं और इस दिन मंदिर जाना कभी नहीं भूलतीं थी। मैं भले काम से देर से लौटूं, लेकिन वह मंदिर जाने के लिए जरूर कहती थीं, कम से प्रदोष के दिन जाना तो अनिवार्य था। उन दिनों को याद करते हुए मैंने उज्जैन में अपने सहयोगी राजेश पांचाल को फोन किया और उनसे महाकाल के दर्शन कराने का अनुरोध किया और उन्होंने कहा कि 'बाहर हल्की बारिश हो रही है, ऐसे में आज से बेहतर दिन क्या हो सकता है।' उन्होंने महाकवि कालिदास की रचनाओं का जिक्र किया, जिनकी कर्मभूमि उज्जैन थी। कालिदास ने कभी कहा था, 'मेघ, तुम अगर जल्दी पहुंच जाओ तो महाकाल की संध्या आरती में गरजना। उस समय जो ढोल बजाए जाते हैं, उसका श्रेय तुम्हें मिलेगा।' पंचांग में प्रदोष की तिथि और बाहर का सुहावना मौसम...जब मैंने इस सुखद संयोग और संबंध के बारे में सुना तो मैंने कहा, 'वाह, काश मैं शाम की आरती में शामिल हो पाता और भगवान की स्तुति करके उनका आशीर्वाद ग्रहण कर पाता।' उन्होंने विनम्रता से कहा, 'मैं आपकी प्रार्थना बाबा महाकाल तक पहुंचा दूंगा क्योंकि वहीं तय करते हैं कि उनके धाम में कौन-सा भक्त, कब उनसे मिल सकता है, वह भी ऐसे शुभ अवसर पर।' इस विनम्रता ने युवा पीढ़ी के प्रति मेरे मन में एक नई श्रद्धा उत्पन्न की, खासकर इस दुनिया में जहां लोग उन चीजों का श्रेय भी ले लेते हैं जो उन्होंने नहीं की होतीं। चूंकि मेरी कार शहर के एक मुख्य चौराहे पर, बत्ती हरी होने का इंतजार कर रही थी, उन्होंने मुझसे पहले से तय एक जगह पर मिलने के लिए कहा। वहां मैंने देखा कि एक बुजुर्ग दंपति, 'पैदल सिग्नल' हरा होने पर सड़क पार करने के लिए आगे बढ़े। वह शायद मंदिर की ओर जा रहे थे और धोती पहनने के कारण उन बुजुर्ग को चलने में शायद थोड़ी दिक्कत हो रही थी। तभी अचानक एक ड्राइवर, जिसे लगा कि उसका बायां मोड़ हमेशा की तरह खाली होगा, वह गाड़ी मोड़ता हुआ उनके रास्ते में आ गया। 'अरे!' वे बुजुर्ग दंपति चिल्लाते हुए पीछे हट गए। ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाए, खिड़की का शीशा नीचे किया और कंधों व कानों के बीच में मोबाइल फंसाए हुए कहा, 'गलती हो जाती है' और फोन पर बात करने लगा। इस पर वह बुजुर्ग गरजते हुए बोले, 'गलतियां हो जाती हैं? तुम तो हमें सीधा महाकाल के पास पहुंचा चुके होते।' विभूति के लेप से माथे के बीचों-बीच बनी तीन रेखाएं और बीच में कुमकुम का टीका लगाए बुजुर्ग का माथा इसे आवेश में सिकुड़कर आधा रह गया। ड्राइवर बुदबुदाया, 'काश मैं कर पाता!' और तेजी से चला गया। मैंने रुककर उन बुजुर्ग दंपति को लिफ्ट देने का फैसला किया। पर उन्होंने विनम्रता से इंकार कर दिया और कहा, 'जो होता है, अच्छे के लिए होता है।' दंपति ने भगवान से मन्नत मांगी थी कि उनका नौजवान बेटा ठीक हो जाए, और वे नंगे पैर चलकर बाबा महाकाल की चौखट पर आएंगे। मैंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और वहां से चला गया। अपना काम निपटाने के ढाई घंटे बाद मैं राजेश से मिला और मंदिर पहुंचा और पाया कि वही बुजुर्ग दंपति मंदिर में आरती के समय मेरे बगल में बैठे थे और उस गलती करने वाले ड्राइवर को आशीर्वाद दे रहे थे। उन्होंने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, 'चूंकि उसके कारण हमें देर हो गई और हम इस आरती में शामिल हो सके, नहीं तो हम चूक जाते। इसलिए मैंने उस ड्राइवर के लिए भी प्रार्थना की।' फंडा यह है कि हमारे सृजनकर्ता हमारे जीवन में विकल्प रूपी सिक्के फेंकते हैं और हमें वह चुनने के लिए प्रेरित करते हैं, जो हमें खुशी दे। अच्छे लोग उस क्षण में जीने का चुनाव करते हैं, बजाय इसके लिए अतीत के बारे में सोचते रहें या अनिश्चित भविष्य की खोज में रहें, जैसा कि वह तेज गति से चलने वाला ड्राइवर कर रहा था।

ऊंची 'एट्रिशन दर' को आप कैसे संभालेंगे?

इंदौर एयरपोर्ट के लाउंज में इस वीकेंड एक दिलचस्प वाक्या हुआ। वह व्यक्ति ऊंची कुर्सी पर बैठा हुआ था, जैसी बार काउंटर के इर्द-गिर्द होती हैं। मैं सोफे पर बैठ गया, जो कि उन लोगों के लिए होता है, जो कोई एल्कोहल ड्रिंक नहीं लेना चाहते। उस लाउंज के मालिक सुधांशु वहां आए। हम एक-दूसरे का हालचाल पूछ रहे थे कि बार पर बैठे व्यक्ति ने सुधांशु को बुलाया और कहा, 'क्या आप हमारे लिए कुछ कटी हुई ककड़ी का इंतजाम कर सकते हैं?' सुधांशु ने तुरंत कहा, 'क्यों नहीं?' उन्होंने कुछ कप उठाए और सर्विंग स्टाफ को दिए और कहा, 'कुछ ताजी ककड़ी लाओ, अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट दो।' मैं उस व्यक्ति के चेहरे को देख रहा था, जिसने शायद कुछ ड्रिंक्स पहले ही पी ली थीं। उसका चेहरा गर्व से चमक रहा था और उसकी आंखें उसके साथी को कह रही थीं, 'देखो, इस जगह पर मेरी कितनी पकड़ है।'जैसे ही स्टाफ अंदर गया, घमंड से भरा वो व्यक्ति नाराज हो गया और सुधांशु से कहा, 'आपका स्टाफ अच्छा नहीं हैं।' उसने बारमैन की ओर इशारा करते हुए कहा, 'बस दो मिनट पहले आपके इस आदमी ने मुझे काली मिर्च व नमक डालकर साधारण-सी ककड़ी लाने से मना कर दिया था।' सुधांशु पीछे सूप काउंटर की ओर मुड़े और वहां कुछ काली मिर्च-नमक उठाया और मुस्कराकर कहा, 'यहां आपके लिए काली मिर्च व नमक है, चिंता मत करो, ककड़ी रसोई से आ रही है। खुलकर कहूं, तो ये सिर्फ एक लाउंज है, जहां शराब के अलावा किसी और चीज की बिलिंग नहीं कर सकते और यहां मौजूद सामान पर हमेशा सख्त नजर रहती है। इसलिए वे छोटे-मोटे निर्णय लेने में भी डरते हैं।' 40 मिनट बाद उन दोनों ग्राहकों ने बिल चुकाया और बारमैन को 20 रुपए टिप देने की कोशिश की। उसने लेने से मना कर दिया क्योंकि उस लाउंज के मालिक अभी भी मेरे साथ बात कर रहे थे। चूंकि ग्राहक चार ड्रिंक्स के बाद थोड़े नशे में था, उन्होंने चिल्लाकर कहा, 'आप इसे लेंगे या नहीं?' ये तेज आवाज सुनकर सुधांशु फिर से काउंटर पर गए और महसूस किया कि ग्राहक नशे में है और खुद को सही साबित करना चाहते हैं। सुधांशु ने विनम्रता से कहा, 'सर, चूंकि मैं यहां हूं, इसलिए वे आपकी इस उदारता के साथ की गई पेशकश को स्वीकार करने में संकोच कर रहे हैं, इसे मुझे दे दें, मैं इसे सौंप दूंगा।' यात्री ने अपने दोस्त की ओर देखा, जिसका मतलब था 'देखा?' और चला गया। मेहमानों के जाने के बाद, बारमैन को फाइनेंस पर एक क्रैश कोर्स दिया गया। सुधांशु ने कहा, 'याद रखो, जब कोई गेस्ट कुछ सैकड़ों रुपए खर्च करके आपका प्रोडक्ट ले रहा है, तो आप उसके 10 रुपए की ककड़ी का निर्णय क्यों नहीं ले सकते? भले ही ककड़ी की कीमत 50 रुपए हो, पर बिजनेस तब भी फायदे में होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'नशे की हालत में रहने वाले किसी भी कस्टमर से कभी बहस न करें क्योंकि उसकी तेज आवाज यहां बैठे बाकी लोगों को परेशान कर सकती है।' और तब सुधांशु ने एयरपोर्ट लाउंज में कर्मचारियों के रिटेंशन की समस्या बताई। रिटेंशन यानी कर्मचारियों का जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ना। चूंकि एयरपोर्ट लाउंज में नकद पैसों का लेन-देन नहीं होता, इसलिए यात्री भी हॉस्पिटैलिटी कर्मचारियों को टिप नहीं देते। अतिरिक्त आय हमेशा नौकरी में बने रहने की प्रेरणा होती है, ऐसे में एयरपोर्ट की शुरुआती चकाचौंध हटने के बाद सर्विस देने वाले एयरपोर्ट स्टाफ बेहतर अवसरों की तलाश में जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ते हैं। इसलिए इन्वेंट्री पर नजर रखने वाले उद्यमियों (जो कि फूड तैयार करने वाले बिजनेस में कठिन काम है) को लगातार रिप्लेसमेंट पर नजर रखनी पड़ती है और वे छोटी जगहों के युवा कर्मचारियों को लाते हैं, जो शहर और उसकी चमक से आकर्षित होते हैं। फंडा यह है कि अगर अतिरिक्त पारिश्रमिक उच्च एट्रिशन रेट से निपटने का तरीका नहीं है, तो उद्यमियों और फ्लोर मैनेजर्स को उन्हें बनाए रखने के लिए कई और तरीकों का इस्तेमाल करना होगा। उनकी सराहना और उनके आसपास रहकर उनकी पीठ थपथपाना भी एक तरीका है। अगर आपके पास कोई नया विचार है तो मेरे साथ साझा करें।

क्या आप टीनएजर्स से सही समय पर पैसों के बारे में बात कर रहे हैं?

वार्षिक परिणाम आ चुके हैं। विश्वविद्यालय पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों या तीन वर्षीय ग्रेड पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृति-पत्र भेज रहे हैं। अचानक मध्यम वर्ग के परिवार भविष्य की शिक्षा के खर्चों को पूरा करने के लिए तंग वित्तीय रस्सी पर चलते दिखाई देने लगे हैं। मुझे इसका एहसास तब हुआ, जब एक पिता-पुत्र ने मदद के लिए मुझसे संपर्क किया।पिता इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि उन्होंने कॉलेजों में पढ़ाई की वर्तमान लागत का केवल 30इ ही आकलन लगाया था और बीते वर्षों में उसी के अनुसार बचत की थी। 'अगर मैं दूसरे बच्चे के लिए बचाई राशि को भी बड़े बच्चे के लिए खर्च कर देता हूं तो मेरे लिए स्नातक की साधारण पढ़ाई और विवाह के खर्चों को भी पूरा करना मुश्किल हो जाएगा,' पिता ने दु:ख जताते हुए मुझसे कहा।उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए मैं उससे अनुरोध कर रहा हूं कि वह अपनी शिक्षा के खर्चों में समझदारी से काम ले।' और तब, गुरुवार रात हम कॉलेज में प्रवेश लेने जा रहे उस युवा लड़के के लिए वित्तीय योजना बनाने बैठे। दोनों से बात करते हुए मुझे एहसास हुआ कि उन परिवारों के विपरीत- जो फीस के कुछ या सभी पैसों का भुगतान करते हैं- यह परिवार चाहता था कि पिता की बचत के शुरुआती पैसों के अलावा छात्र अपनी शिक्षा के लिए खुद ही जिम्मेदार हो।मैंने लड़के से एक्सेल चार्ट तैयार करवाया। चार्ट देखते हुए स्वयं पैरेंट्स होने के नाते हम समझ गए कि यह कितना महंगा है, लेकिन एक टीनएजर के लिए वो आंकड़ा ज्यादा मायने नहीं रखता था। मेरा काम एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उसे वह समझाना था। मैंने उसके पिता के साथ पूरे साल के खर्च का एक और चार्ट बनवाया। दोनों चार्ट की तुलना करके पाया कि वह अपनी शिक्षा के लिए परिवार की आय में से कितना प्रतिशत पैसा लेने जा रहा था।इसके अलावा, मैंने बताया कि उस किशोर के चार्ट में ट्यूशन फीस, आवास लागत और भोजन-व्यय जैसे खर्चों का कोई विस्तृत ब्योरा नहीं था।

कोविड-उपयुक्त व्यवहार का तत्काल पालन करें

भारी बारिश से देश के तटीय शहरों में हालात खराब हैं। मंगलवार रात को देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में भी भारी बारिश के कारण जनजीवन लगभग ठप हो गया। शहर की सड़कों पर पानी भर गया, जिससे हाईवे जाम हो गए और लोग घुटनों तक पानी में चलते नजर आए। ट्रेनें धीमी गति से चल रही थीं और सबवे बंद कर दिए गए थे। मई महीने में इस तरह की भारी बारिश जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है। भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु, जो कि सबसे ज्यादा टेक आबादी होने पर गर्व करती है, वहां कई टेक कंपनियों और मल्टीनेशनल कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को सुरक्षा कारणों से वर्क-फ्रॉम-होम का विकल्प दिया। तमिलनाडु के सलेम में मेट्टूर बांध का जलस्तर सोमवार को 6,233 क्यूसेक से बढ़कर मंगलवार को 9,683 क्यूबिक फीड प्रति सेकंड (क्यूसेक) हो गया, जिससे इसका जल भंडारण स्तर 109 फुट तक पहुंच गया, जबकि इसकी कुल क्षमता 120 फुट ही है। याद रखिए, यह गर्मियों का समय है और बारिश के महीने अभी आने बाकी हैं। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच अंतरराज्यीय यातायात मंगलवार रात तक भारी बारिश के कारण प्रभावित रहा। दूसरी ओर, गोवा में भी मानसून के आगमन से पहले ही भारी बारिश ने न सिर्फ सामान्य जीवन को बाधित कर दिया और पर्यटन व्यवसाय पर भी असर डाला। अग्निशमन और आपातकालीन विभाग के लोग पूरे दिन सतर्कता पर हैं। लेकिन इसका सबसे बुरा प्रभाव इस रूप में पड़ा है कि कई प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हुए हैं और प्री-मॉनसून काम भी समय पर पूरा नहीं हो सका है। ये साल आम के लिए एक उत्पादक सीजन माना जा रहा था, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण पैदावार में अच्छी-खासी कमी आई है। पहले तो भारी बारिश के कारण फूल आने में देरी हुई। वहीं पिछले वर्षों की तुलना में तापमान में उतार-चढ़ाव और अचानक बारिश ने भी आम के उत्पादन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। दूसरी ओर, फरवरी से अप्रैल के बीच तापमान में असामान्य वृद्धि और मिट्टी में नमी बढ़ने से फलों में कीट संक्रमण बढ़ गया है। यही कारण है कि बाजार में स्वादिष्ट और अच्छे आम चुनना हममें से ज्यादातर लोगों के लिए अब चुनौतीपूर्ण हो गया है। बागवानी विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते मौसम ने आम के व्यवसाय पर निर्भर किसानों की आय को प्रभावित किया है। दूसरी ओर, चेन्नई में अस्पतालों ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण ट्रांसप्लांट, बायपास सर्जरी और हार्ट वॉल्व रिप्लेसमेंट जैसी महत्वपूर्ण सर्जरी रद्द कर दी हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुखार के ताजा मामलों को कोविड-19 के केस मान लिया है, जबकि दो सप्ताह पहले से फैल रही इस बीमारी का मुख्य कारण इन्फ्लुएंजा बताया जा रहा था। स्वास्थ्य अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि स्थानीय वायरल स्ट्रेन सिंगापुर और हांगकांग के ओमिक्रॉन जेएन.1 का ही है या नहीं। पुडुचेरी में कोविड-19 के 12 मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र के पुणे में कोविड मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नायडू अस्पताल में 50 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। सिंगापुर और हांगकांग में मामले बढ़े हैं और पिछले सप्ताह 14 हजार से अधिक कोविड के केस दर्ज किए गए। हांगकांग का मानना है कि कोविड अब एक 'आवधिक पैटर्न वाली स्थानिक बीमारी' बन गई है। भारत में भी इस सोमवार को एक समीक्षा बैठक हुई। 19 मई तक भारत में कोविड मामलों की संख्या 257 थी, हालांकि देश की जनसंख्या के हिसाब से ये बहुत कम है। हालांकि डॉक्टर्स इन सब मामलों को मामूली बता रहे हैं। पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय उभरती परिस्थितियों को लेकर सतर्क व सक्रिय है। अप्रत्याशित बारिश, कृषि पर इसका प्रभाव और कोविड केस की बढ़ती संख्या को देखते हुए बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्तियों को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की सलाह दी जाती है। हाथों की स्वच्छता बनाए रखें, मास्क पहनें और भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचें। फंडा यह है कि अस्पताल में भर्ती होने का खर्च आम आदमी की पहुंच से बाहर हो रहा है तो खुद को बचाकर रखना ही स्वस्थ जीवन जीने का सबसे विवेकशील रास्ता है। आर्थिक रूप से भी यही सही है।

भारत-पाकिस्तान की कहानी में नैरेटिव अब हमारे हाथ में हो

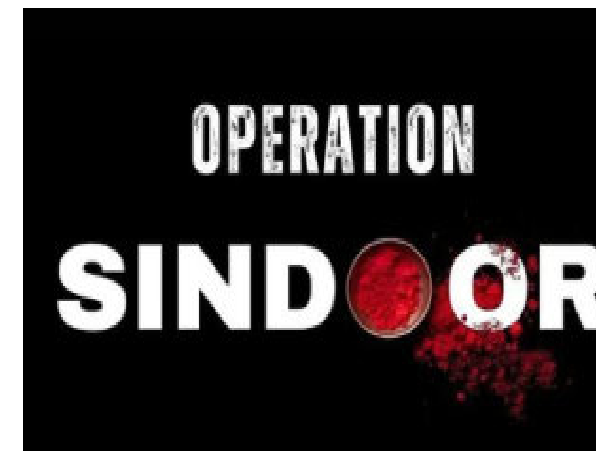

ऑपरेशन सिंदूर का संदेश स्पष्ट है : भारत राज्य-प्रायोजित आतंकवाद का निष्क्रिय शिकार नहीं बनेगा और पाकिस्तान को इसके परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन अब यह महत्वपूर्ण है कि अब हम नैरेटिव की कमान संभालें और प्रतिक्रिया करने के बजाय इसे सक्रिय रूप से नियंत्रित करें।अतीत में हम या तो कुछ नहीं करते थे, या केवल ठोस कदम उठाने की चेतावनी देते थे, या दुनिया से संयम और अच्छे आचरण का प्रमाण-पत्र लेने की तत्परता दिखाते थे। जब 1999 में कारगिल में हमारी सीमाओं में घुसपैठ की पुष्टि हुई, तो हम घुसपैठियों को बाहर निकालने में तो कामयाब रहे, लेकिन हमारे सैकड़ों युवा अधिकारियों और सैन्यकर्मियों की जान की भारी कीमत चुकाकर।क्योंकि हमलावर ऊंची जगहों पर बैठे थे और आसानी से हमारे बहादुर फौजियों को निशाना बना सकते थे। उस समय कोई भी दूसरा देश होता तो नियंत्रण रेखा के पार सैनिकों को पैराशूट से उतार देता और हमलावरों के लिए आपूर्ति-लाइनें बंद कर देता।2001 में लश्कर-ए-तैयबा ने भारतीय संसद पर भी हमला किया था। जवाब में हमने सीमा पर सैनिकों की भारी तैनाती के अलावा कुछ नहीं किया। 2008 में मुंबई में हमला हुआ, जिसमें 166 निर्दोष भारतीय मारे गए। कोई संदेह नहीं था कि इस हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने रची थी, अजमल कसाब को भी पकड़ लिया गया था, उसके बयान थे। लेकिन हमने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। 2016 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने उरी पर हमला किया, जिसमें 19 सैनिक मारे गए, तो हमने आखिरकार सर्जिकल स्ट्राइक की। 2019 में पुलवामा हमले के बाद हमने बालाकोट में बमबारी करके जवाब दिया, जिससे पता चला कि भारत में यह कहने की इच्छाशक्ति है कि बस, बहुत हो गया।लेकिन वे सब प्रतिक्रियाएं थीं। अब हमें नैरेटिव का मास्टर बनना है। हर सीजफायर उल्लंघन (2020 में पाकिस्तान द्वारा लगभग 5000 बार ऐसा किया गया) का दोगुना प्रतिकार किया जाना चाहिए। पीओके में घुसपैठ से भी कोताही नहीं बरती जानी चाहिए।इसके अलावा, हमें युद्ध को पाकिस्तान के क्षेत्र में ले जाना होगा। ऐसा करने के लिए हमारे पास दो शक्तिशाली हथियार हैं। इनमें से पहला, 1960 के सिंधु जल समझौते को स्थगित करना सही कदम है, ताकि हम सिंधु, झेलम और चिनाब के पाकिस्तान में प्रवाह को नियंत्रित कर सकें। यह सीमापार दहशत पैदा कर सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की जीडीपी का 25इ कृषि पर निर्भर करता है। नदी के प्रवाह के बारे में रियल टाइम डेटा साझा न करना भर भी नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरे, अब समय आ गया है कि हम बलूचिस्तान के मुक्ति-संग्राम को बढ़ावा देकर भारत में पाकिस्तान के आतंकवाद का माकूल जवाब दें। पाकिस्तान में सेना-आईएसआई गठजोड़ कमजोर पड़ गया है। हमारे सभी उपायों का मिला-जुला असर पाकिस्तान के लोगों को इस गठजोड़ के खिलाफ खड़ा करने पर केंद्रित होना चाहिए। पाकिस्तान के 'डीप स्टेट' को कमजोर या समाप्त नहीं किया जाता, तब तक कोई स्थायी शांति नहीं हो सकती।

पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने के आसार बन रहे हैं

पाकिस्तान 1971 में एक बार विभाजित हो चुका है। 50 साल बाद उसके दूसरे विभाजन के अंदेशों को खारिज नहीं किया जा सकता। अगर पाकिस्तान इस बार टूटा तो कई टुकड़ों में बंट जाएगा। इस मसले में पहला सवाल यह है कि क्या पिछली बार हुए विभाजन का मॉडल फिर से दोहराया जा सकता है? पिछले मॉडल में तीन बातें खास थीं। भारत के सैनिक हस्तक्षेप ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। 70 के दशक में चल रहे शीतयुद्ध के हालात में अमेरिका की पाकिस्तानपरस्ती को सोवियत संघ के भारत-समर्थन ने प्रभावहीन कर दिया था। उस समय का पाकिस्तान पहले से ही बेहद अस्वाभाविक दो दूरदराज भौगोलिक हिस्सों में बंटा था। पाकिस्तान के विभाजन का एक दूसरा संभावित मॉडल भी है, जो वहां की भीतरी राजनीति की विकृतियों के कारण हो सकने वाले अंत:विस्फोटों से जुड़ा है। इन भीतरी विस्फोटों के अंदेशे सबसे पहले 2022 में प्रबलता से सामने आए थे, जब पाकिस्तान के एक बड़े नेता ने खुलेआम सिलसिलेवार बताया था कि पाकिस्तान अगर टूटेगा तो कैसे और क्यों टूटेगा। यह वक्तव्य इमरान खान का था, जो प्रधानमंत्री रह चुके थे और मांग कर रहे थे कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाये जाएं ताकि पाकिस्तान को टूट के खतरे से बचाया जा सके। इमरान ने कहा था : 'अगर एस्टैब्लिशमेंट सही फैसले नहीं करेगा, तो ये भी तबाह होंगे। अगर हम डिफॉल्ट कर जाते हैं तो सबसे बड़ा इदारा कौन-सा है जो हिट होगा? पाकिस्तानी फौज। जब फौज हिट होगी तो उसके बाद हमारे से कंसेशन क्या ली जाएगी? जो यूक्रेन से ली थी डी-न्यूक्लियराइज करने की। सबसे बड़ा मसला तो यह है कि हमारा वाहिद मुसलमान मुल्क है, जिसके पास न्यूक्लियर डिटरेंट है। वो चला गया तो क्या होगा? पाकिस्तान के तीन हिस्से होंगे।' यहां इमरान अलग सिंध राष्ट्र, पख्तून राष्ट्र और बलूच राष्ट्र की तरफ इशारा करते सुनाई दे रहे हैं। बाकी रह जाएगा केवल पंजाब वाला पाकिस्तान। जिस समय का यह वक्तव्य है, उस समय सिंध में बार-बार कर्फ्यू लगाया जा रहा था। खैबर-पख्तूनख्वा के नेता अपनी प्रादेशिक फौज को इस्लामाबाद के खिलाफ इस्तेमाल करने की धमकी दे रहे थे। बलूचिस्तान में हथियारबंद बागी सेना पर हमले कर रहे थे। आज इमरान जेल में हैं। उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से तकरीबन निष्क्रिय कर दी गई है। शाहबाज शरीफ फौज के प्यादे की तरह हुकूमत कर रहे हैं। इस बात को अमेरिका जानता है और इसीलिए विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत से संघर्ष-विराम करवाने के लिए शरीफ से पहले जनरल आसिम मुनीर से बात की थी। अगर अमेरिका ने मेहरबानी करके आईएमएफ से सवा दो अरब डॉलर न दिलवाए होते, तो वही डिफॉल्ट वाली हालत बन जाती जिसका इमरान ने जिक्र किया। पाकिस्तान को विभाजन से तीन ताकतें रोके हुए हैं- उसकी फौज, अमेरिका और चीन। फौज ने वास्तविक राजनीतिक प्रक्रिया को स्थगित करके पूरी तरह से फर्जी राजनीतिक प्रक्रिया थोप रखी है। इमरान जेल में जरूर हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। अगर आज ईमानदारी से चुनाव हो जाएं तो उन्हें एकतरफा जीत हासिल होगी। अमेरिका पाकिस्तान की दरकती हुई अर्थव्यवस्था को किसी तरह टिकाए हुए है। पाकिस्तान पर अनापशनाप विदेशी ऋण है, और उसका पांचवां हिस्सा चीन का दिया हुआ है। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अमेरिका और उसके बराबर आने की कोशिश कर रहा चीन, दोनों ही चाहते हैं कि पाकिस्तान चार हिस्सों में टूटकर नष्ट न हो। वे चाहते हैं कि दक्षिण एशिया में भारत के उभार को रोकने के लिए पाकिस्तान उसकी टांग खींचने के लिए बना रहे। अगर पाकिस्तान को स्थायी रूप से टिकना है तो वहां राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करनी होगी। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार को बलूच, सिंध और पख्तून उपराष्ट्रीयता के नुमाइंदों को वार्ता की मेज पर बैठाना होगा। उन्हें सांस्कृतिक और राजनीतिक स्वायत्तता देनी होगी। भारत ने 1947 के बंटवारे के बाद नगालैंड, मिजोरम, पंजाब, कश्मीर और शुरुआती दौर में तमिलनाडु की अलगाववादी राजनीति को विभिन्न रणनीतियों का इस्तेमाल करके निष्प्रभावी किया, और अपनी राष्ट्रीय एकता की रक्षा करके दिखाई। पाकिस्तानी चाहें तो इस मामले में भारत से सीख सकते हैं। अगर पाकिस्तान को स्थायी रूप से टिकना है तो अपने यहां राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करनी होगी। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार को बलूच, सिंध और पख्तून उपराष्ट्रीयता के नुमाइंदों को वार्ता की मेज पर बैठाना होगा।

जीवन के अज्ञात तथ्यों के राज कौन जान-समझ सका है?

इस ज्ञानसदी के वैज्ञानिक हैं डॉ. विली सून (हार्वर्ड विश्वविद्यालय)। खगोल भौतिकशास्त्री, एयरोस्पेस इंजीनियर। उनका निष्कर्ष है- ईश्वर है! आधुनिक युग यूरोपीय पुनर्जागरण की कोख से जन्मा। उस कालखंड (14वीं-17वीं सदी) की बौद्धिक सम्पदा, ज्ञान, विवेक, वैज्ञानिक सोच-खोज व चिंतन-मंथन से। उसी पुनर्जागरण दौर के उत्तरार्द्ध में हुए जर्मन दार्शनिक नीत्शे एक कथन से अमर हुए- ईश्वर मर चुका है! हालांकि पुनर्जागरण काल के एक अन्य महानायक कोपरनिकस बता गए थे कि धरती ईश्वर का चरणपीठ है। ब्रह्मांड में मामूली राई जैसा। पर एआई के दौर में डॉ. सून अपनी मान्यता पर दृढ़ हैं कि गणितीय फार्मूले से ईश्वर का अस्तित्व साबित हो सकता है। सबूत के लिए डॉ. सून, पॉल डिराक का उल्लेख करते हैं। डिराक कैम्ब्रिज के गणितज्ञ थे। गणित सृष्टि-प्रकृति के संचालन नियमों को समझने की भी प्रामाणिक विधा है। अमरीका के ही शिखर गणितज्ञ डेल मकिन्ययर ने इतिहास के प्रभावी 21 गणितज्ञों की ईश्वर-आस्था पर पेपर लिखा है। भारत के ऋषि गणितज्ञ हुए- वराहमिहिर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त वगैरह। इन्होंने भी गणित को ब्रह्मांड-नियमों की व्याख्या का साधन माना। श्रीनिवास रामानुजन ने तो गणित में ही ईश्वर को देखा। मानव अस्तित्व के साथ ही यह जिज्ञासा जन्मी कि सृष्टि स्वयंभू है या इसका कोई सूत्रधार है? आरंभ में धर्माचार्यों, धर्मों ने विचारा। फिर गणितज्ञ आए। फिर खगोलशास्त्री, जीव विज्ञानी, विकासवादी वगैरह। परमाणु भौतिकी, क्वांटम भौतिकी के दौर में भौतिकशास्त्री अमित गोस्वामी की किताब आई- गॉड इज नॉट डेड (ईश्वर मरा नहीं है)। किताब की शुरुआत ही वे एक सवाल से करते हैं। क्या ईश्वर के अस्तित्व का सवाल वैज्ञानिक प्रमाणों से हल हो सकता है? फिर कहते हैं, यह मुमकिन है। ईश्वर के होने के पक्ष में है। सृष्टि के अगम-अगोचर, अबूझ रहस्य, बुद्धिवादियों को स्तब्ध करते हैं। सामान्यजन को भी। भारतीय संतों, साधकों या आध्यात्मिक ऋषियों के दुर्लभ अनुभव हैं। पश्चिम के तार्किक बुद्धिवादी जीवन-रहस्य ढूंढने निकले, उनके भी स्व-अनुभव हैं कि जो दिखता है, वही जगत नहीं है। पॉल ब्रंटन ऐसे ही तार्किक ब्रिटेनवासी थे। जीवन समझने के क्रम में रूस-इजिप्ट वगैरह की यात्राएं की। समृद्ध अनुभव लिखे। भारत पर उनकी दो किताबें सर्च इन सीक्रेट इंडिया (1934), अ हरमिट इन द हिमालयाज (1936) सृष्टि की व्यापकता की गहरी झलक देती हैं। दार्शनिकों की धरती जर्मनी में हुए अर्न्स्ट हॉफमैन। तिब्बत, बर्मा-चीन वगैरह की यात्राएं कीं। अनुभवों से हतप्रभ हुए। श्रेष्ठ बौद्ध लामा बने- अंगरिका गोविंद। विश्व चर्चित किताब है- द वे ऑफ द व्हाइट क्लाउड्स। वे बर्मा की तत्कालीन ग्रीष्म राजधानी (मेमाओ) में थे। एक छोटे बच्चे मायुंग से मिले। वह आचार्यों की एक बड़ी सभा को सम्बोधित कर रहा था। बमुश्किल छह वर्ष का। गरीब घर में जन्मा। अपने पूर्व जन्म के बड़े बौद्धमठ को पहचाना। अपनी चीजों के साथ बौद्ध आचार्यों को पहचाना। गोपनीय तथ्य बताए। बर्मा के गवर्नर सर हेनरी बटलर समेत पूरा बर्मा उस बच्चे की विलक्षण प्रतिभा, विद्वत्ता, प्रवचन और आचार-विचार से हतप्रभ थे। फिर अंगरिका खुद से सवाल करते हैं। मोत्सार्ट-बीथोवेन जैसे संगीतकार कम उम्र में विलक्षण कैसे हुए? मोत्सार्ट ने 7 वर्ष की उम्र में श्रेष्ठ संगीत कम्पोज किया। ऑस्ट्रिया सम्राज्ञी मारिया के दरबार में अविस्मरणीय संगीत सुनाया। बीथोवेन ने 8 वर्ष की आयु में कॉन्सर्ट दिया। इस तरह अनेक विलक्षण व ऐतिहासिक (साहित्य, गणित वगैरह क्षेत्रों से) घटनाओं को अंगरिका ने दर्ज किया है। पूछते हैं ऐसे तथ्यों के रहस्य कौन समझ-जान सका है?भारतीय मानस में धारणा है कि सृष्टि अगम-अगोचर है। दुनिया की विशिष्ट संस्था है जेनेवा स्थित न्यूक्लियर रिसर्च केंद्र, सर्न। इसका मकसद है प्रकृति की बुनियादी ऊर्जा, ब्लैकहोल, डार्क मैटर की प्रकृति और भौतिकी कणों के गुणों को समझना-पहचानना। 13.8 अरब वर्ष पुराने ब्रह्मांड में धरती की स्थिति, उस केंद्र को देखने से एहसास होता है कि- राई जैसी ही है! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत के दुश्मन से यारी, मोहम्मद यूनुस के बाद अब आर्मी चीफ जा रहे चीन, बांग्लादेश में क्या चल रहा?

ढाका। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमान जल्द ही चीन दौरे पर जाएंगे। यह दौरा चीनी सेना के निमंत्रण पर हो रहा है। माना जा रहा है कि जनरल जमान चीन से हथियार खरीद सकते हैं। बांग्लादेश सेना के विभिन्न विभाग यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग पर भी चर्चा हो सकती है।बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमान जून के अंत तक चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं। उनकी इस यात्रा का ऐलान तब हुआ है, जब बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर कथित मानवीय गलियारा को लेकर तनाव चरम पर है। मोहम्मद यूनुस की सरकार ने अमेरिका के साथ इस गलियारे पर गुप्त रूप से डील कर ली थी। लेकिन, जब बांग्लादेशी सेना प्रमुख जमान ने आंख दिखाई तो यूनुस सरकार ने यू-टर्न ले लिया और कहा कि किसी भी देश के साथ ऐसे गलियारे पर बात तक नहीं हुई है। ऐसे में बांग्लादेश आर्मी चीफ का दौरे को लेकर बांग्लादेश से भारत तक हलचल है। बांग्लादेशी सेना के विभिन्न डायरेक्ट्रेट उनकी आग्मी चीन यात्रा के लिए तैयारियां कर रहे हैं। यह दौरा चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के औपचारिक निमंत्रण के बाद हो रही है। ऐसा माना जा रहा है कि जनरल जमान की यात्रा का उद्देश्य चीन से अधिक हथियारों की खरीद करना है, जो परंपरागत रूप से बांग्लादेश सेना और बांग्लादेश वायु सेना को हथियारों और हवाई संपत्तियों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। इस कारण से, बांग्लादेश सेना का हथियार और प्रणाली निदेशालय (डीडब्ल्यूईएंडएस) यात्रा पर अन्य निदेशालयों के साथ समन्वय कर रहा है।नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल जमान की यात्रा के विवरण की रूपरेखा तैयार करने के लिए पैदल सेना, सेना विमानन, तोपखाना, सिग्नल, आयुध, इंजीनियर, बख्तरबंद, सैन्य अभियान, सैन्य अभियान, सैन्य खुफिया और सैन्य प्रशिक्षण निदेशालयों के प्रतिनिधि आपस में चर्चा कर रहे हैं।13 मई को बांग्लादेश सेना के आयुध शाखा के मास्टर जनरल मेजर जनरल अबू बकर सिद्दीकी खान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने चीन वैनगार्ड कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों की चार सदस्यीय टीम से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने चीनी एचक्यू-17एई सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एसएएम), जेएसजी रडार और एफके -3 मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एमएसएएम) को हासिल करने की योजनाओं पर चर्चा की। इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी कि जनरल जमान सैम और एम सैम और जेएसजी रडार के अधिग्रहण पर समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे या नहीं। सूत्रों ने कहा कि वह वरिष्ठ पीएलए अधिकारियों से मिलेंगे और चीन और बांग्लादेश के बीच अधिक रक्षा सहयोग के अवसरों पर चर्चा करेंगे। ठीक एक साल पहले, बांग्लादेश और चीन ने अपना पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास 'गोल्डन फ्रेंडशिप-2024' आयोजित किया था, जिसका उद्देश्य शांति स्थापना और आतंकवाद विरोधी अभियानों को बेहतर बनाना था और इसमें अपहरण विरोधी और शिविर उन्मूलन जैसे परिदृश्यों पर मिश्रित समूहों का प्रशिक्षण शामिल था।

जे एंड के के पूर्व राज्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई की चार्जशीट, कीरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 2200 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप, 6 अन्य लोगों के भी नाम

जम्मू। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 6 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है। सीबीआई ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी। दरअसल, सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते 300 करोड़ की रिश्वत ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद सीबीआई ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के कहने पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक जम?मू-कश?मीर के राज्यपाल थे। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया पर कहा कि वो अस्पताल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, लेकिन वो जवाब नहीं दे पा रहे। पिछले साल सीबीआई की रेड के बाद मलिक ने कहा था, 'सीबीआई ने मेरे घर छापा मारा, लेकिन जिन लोगों के खिलाफ मैंने भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, उनकी जांच नहीं की गई। उन्हें मेरे पास 4-5 कुर्ता-पायजामा ही मिलेंगे। मैं किसान का बेटा हूं, डरूंगा नहीं।'सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को राजस्थान के झुंझुनू में एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते करोड़ों की रिश्वत ऑफर हुई थी। उस दौरान उनके पास दो फाइलें आई थीं। इनमें एक बड़े उद्योगपति और दूसरी महबूबा मुफ्ती और भाजपा की गठबंधन सरकार में मंत्री रहे एक व्यक्ति की थी। मलिक ने कहा था कि उनके सचिवों ने बताया कि इसमें घोटाला है, इसके बाद उन्होंने दोनों डील रद्द कर दी थीं। मलिक ने ये भी कहा था कि उन्हें दोनों फाइलों के लिए 150-150 करोड़ रुपए देने का ऑफर दिया गया था। मलिक ने कहा, 'मैंने कहा था कि मैं पांच कुर्ता-पायजामे के साथ आया हूं और सिर्फ उसी के साथ यहां से चला जाऊंगा। जब सीबीआई पूछेगी तो मैं ऑफर देने वालों के नाम भी बता दूंगा।'सीबीआई ने इस मामले में 2 ?फ़आईआर दर्ज की थीं। पहली एफआईआर लगभग 60 करोड़ रुपए के कॉन्ट्रैक्ट को जारी करने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। यह रकम 2017-18 में जम्मू-कश्मीर कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल बीमा योजना का ठेका देने के लिए एक इंश्योरेंस कंपनी से रिश्वत के तौर पर ली गई थी। दूसरी एफ एफआईआर 2019 में एक निजी फर्म को कीरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट (एचईपी) के सिविल वर्क के लिए 2,200 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट देने में भ्रष्टाचार से जुड़ी है। सीबीआई इन दोनों मामलों की जांच कर रही है।

चचा ने साइकिल से साथ किया ऐसा खेल कि पुलिस भी हैरान हो गई

मऊ। साइकिल चला रहे चाचा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, लेकिन जब यूजर्स ने ध्यान से देखा तो वह भी कंफ्यूज हो गए कि चचा ने आखिर अपनी साइकिल को क्या बनाया है? अब इस वायरल वीडियो को लेकर पुलिस वाले भी ट्रैफिक नियम को लेकर सोच में पड़ गए है। इसका मतलब यह वीडियो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल का हो सकता है। जिसमें चचा ने अपनी साइकिल के साथ तगड़ा प्रयोग किया है।

मोदी देश के पहले पीएम जिन्होंने देशनोक करणी माता मंदिर में किए दर्शन, जानिए इस मंदिर की विशेषताएं

जयपुर। राजस्थान के देशनोक में करणी माता का मंदिर है। यह मंदिर बीकानेर और जोधपुर राजघराने की कुलदेवी का स्थान है। मंदिर 15वीं शताब्दी में बना था। यहां 25,000 से ज्यादा चूहे हैं। भक्त चूहों का झूठा प्रसाद भी खाते हैं। मान्यता है कि सफेद चूहों के दर्शन से मनोकामना पूरी होती है।राजस्थान के देशनोक में करणी माता का मंदिर है। माता करणी को बीकानेर और जोधपुर राजघराने के परिवार अपनी कुलदेवी मानते हैं। इन मंदिर का निर्माण 15 वीं शताब्दी में कराया गया था। मंदिर का निर्माण संगमरमर से किया गया है। इस मंदिर के प्रति देशभर के लाखों लोगों की आस्था है। यही वजह है कि लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं और माता का आशीर्वाद पाते हैं। गुरुवार 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा अर्चना की। मोदी देश के पहले पीएम हैं जिन्होंने देशनोक के करणी माता मंदिर में आकर दर्शन किए।यह मंदिर अपने आप में अनूठा है। देश के अन्य मंदिरों में आपको भले ही चूहे देखने को नहीं मिलेंगे लेकिन यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 25,000 से ज्यादा चूहे हैं। अगर आप मंदिर जाएंगे और माता के दरबार में दर्शन करने के लिए आगे बढ़ेंगे तो आपको सैकड़ों चूहे इधर उधर घूमते दौड़ते नजर आएंगे। आपको बड़ी मुश्किल से अपने आप को चुहों से बचाते हुए मां के दरबार तक पहुंचना है और दर्शन करने हैं।वैसे तो मंदिर में हजारों चूहे हैं लेकिन कुछ चूहे सफेद हैं। ऐसी मान्यता है कि सफेद चूहों के दर्शन हो जाए तो मां करणी भक्तों की मनोकामना जल्दी पूरी करती है। मंदिर के व्यवस्थापक गजेंद्र सिंह का कहना है कि यहां ऐसी मान्यता है कि जो लोग अच्छे कर्म करके मृत्यु को प्राप्त करते हैं। वे सफेद मूषक बनकर मां करणी की सेवा करने का मौका मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि सफेद चूहे माता करणी के पुत्र हैं। इनके दर्शन होना सबसे शुभ माना जाता है। आपने अक्सर यह देखा होगा कि चूहे कभी एक जगह रुक कर नहीं रहते। वे इधर उधर दौड़ते रहते हैं। यह जंतु बड़ा चंचल होता है। घरों में आपने देखा होगा कि चूहे एक घर से दूसरे घर में दौड़ जाते हैं लेकिन देशनोक के करणी माता मंदिर की एक खास बात है। यहां के चूहे कभी मंदिर से बाहर नहीं निकलते। उनके रहने का स्थान निश्चित है। ना वे मंदिर की जमीन को खोखली करते हैं और ना ही मंदिर को कोई नुकसान पहुंचाते हैं। भक्तों द्वारा चढाए जाने वाले प्रसाद को ये चूहे खाते हैं। भक्त भी चूहों का झूठा प्रसाद पाते हैं।

तोप के गोले, बारूद, अनिल अंबानी के इस कदम से बढ़ेगी भारतीय सेना की ताकत, चीन को ताकता रहेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली।अनिल अंबानी की रिलायंस डिफेंस ने जर्मनी की राइनमेटल एजी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत, महाराष्ट्र में गोला-बारूद और विस्फोटक बनाए जाएंगे, जिससे भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा और हथियारों का निर्यात भी बढ़ेगा। यह कदम 'मेक इन इंडिया' मुहमि को बढ़ावा देगा।अनिल अंबानी की रिलायंस डिफेंस ने बड़ा कदम उठाया है। उसने जर्मनी की हथियार कंपनी राइनमेटल एजी के साथ समझौता किया है। यह समझौता महाराष्ट्र में बनने वाले कारखाने से तोप के गोले और गोला-बारूद जैसे विस्फोटक सप्लाई करने के लिए है। इस साझेदारी का लक्ष्य भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। साथ ही, भारत को दुनिया के बड़े हथियार निर्यातकों में शामिल करना है। यह चीन पर लगातार निर्भरता बढ़ा रहे पाकिस्तान की नींद उड़ाएगा। रिलायंस डिफेंस ने इस समझौते के बारे में एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की कंपनी रिलायंस डिफेंस और जर्मनी की राइनमेटल एजी ने गोला-बारूद के क्षेत्र में हाथ मिलाया है। दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रिलायंस समूह का तीसरा बड़ा रक्षा समझौता है। इससे पहले, कंपनी ने दसॉ एविएशन और फ्रांस की थेल्स के साथ भी साझेदारी की है। बयान में यह भी बताया गया है कि रिलायंस राइनमेटल को मध्यम और बड़े कैलिबर के गोला-बारूद के लिए विस्फोटक और प्रॉपलेंट देगी। दोनों कंपनियां मिलकर अपने उत्पादों का प्रचार भी करेंगी। वे भविष्य में और भी क्षेत्रों में साथ काम कर सकती हैं।यह साझेदारी भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देगी। इससे भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। सरकार चाहती है कि भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और दुनिया को हथियार बेचे।इस नई साझेदारी से रिलायंस डिफेंस को देश के टॉप तीन हथियार निर्यातकों में शामिल होने में मदद मिलेगी। कंपनी का लक्ष्य है कि वह भारत से सबसे ज्यादा हथियार बेचने वाली कंपनियों में से एक बने।रिलायंस डिफेंस के अनुसार, 'रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की ओर से प्रवर्तित रिलायंस डिफेंस लिमिटेड (रिलायंस डिफेंस) और डसेलडोर्फ स्थित राइनमेटल एजी ने गोला-बारूद के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी पर सहमति व्यक्त की है। इस आशय के एक समझौते पर अब दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए।' इसका मतलब है कि दोनों कंपनियां मिलकर गोला-बारूद बनाएंगी और बेचेंगी।यह समझौता भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे भारत की सेना और भी शक्तिशाली होगी। साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के बीच यह डील कई तरह से महत्वपूर्ण साबित होगा।यह समझौता भारत की रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब घरेलू कंपनियां तोप के गोले और विस्फोटक जैसी महत्वपूर्ण सैन्य सामग्री का उत्पादन करती हैं तो आयात पर निर्भरता कम होती है। पाकिस्तान के साथ तनाव की स्थिति में यह आत्मनिर्भरता सप्लाई चेन को सुरक्षित करती है। इसके उलट पाकिस्तान को इस जरूरी सेक्टर में चीन पर निर्भर ही रहना होगा।घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ने से भारत को सैन्य तैयारियों के मामले में रणनीतिक बढ़त मिलती है। जरूरत पड़ने पर गोला-बारूद और विस्फोटकों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। इससे किसी भी संभावित संघर्ष में बेहतर प्रतिक्रिया दी जा सकती है।इस तरह के सौदे से घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलता है। रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलती है। जर्मन कंपनी राइनमेटल रक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी है। इस समझौते के जरिये रिलायंस डिफेंस को उनकी उन्नत तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। इससे उत्पादित गोला-बारूद की क?वालिटी और क्षमता बेहतर होगी।

विदेश मंत्रालय बोला- बातचीत और आतंकवाद साथ नहीं, तुर्किये से कहा- पाकिस्तान को समझाए कि आतंक का साथ न दे, पाक से केवल द्विपक्षीय बातचीत

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के दावे पर भारत के विदेश मंत्रालय का बयान आया। वीकली प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी संबंध द्विपक्षीय होना चाहिए, बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते।तुर्किये पर विदेश मंत्रालय ने कहा- हम उम्मीद करते हैं कि तुर्किये, पाकिस्तान से कहेगा कि वह सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद करे और उस आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कदम उठाए, जिसे उसने दशकों से पनाह दे रखी है। द्विपक्षीय रिश्ते एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर ही बनते हैं।जायसवाल ने ये भी कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान, आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता। जैसा कि पीएम ने कहा है- पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। व्यापार और आतंकवाद भी एक साथ नहीं चल सकते। इधर, जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के सिंहपोरा और छातरू इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों और से फायरिंग हुई, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। इलाज के दौरान जवान की मौत हो गई। इन दोनों इलाकों में आतंकियों की तलाश जारी है।कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने गुरुवार को कहा- जब भी पाकिस्तान ने गलत व्यवहार किया, हमारा इतिहास रहा है कि हमने पाकिस्तान को सबक खिलाया। चाहे उस समय कोई भी प्रधानमंत्री रहा हो। भारत ने हमेशा एक स्वर में बात की। उन्होंने कहा- यह अलग बात है कि पाकिस्तान पूरी तरह से मूर्ख है और उन्हें अपनी सीमाओं की जानकारी ही नहीं है। दुर्भाग्य से पाकिस्तान के पास हमारी तरह आज्ञाकारी सेना नहीं है। मैं नहीं चाहती कि कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बने, हमें अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी। उन्होंने कहा- चीन हमारे पैरों पर कदम रख रहा है और हमारे दरवाजे तक रास्ते बना रहा है। मुझे इसकी चिंता है। क्या चीन समझता है कि सिंदूर का क्या मतलब है? क्या उन्हें एहसास है कि वे भारत के खिलाफ दूसरे देशों का समर्थन करके क्या कर रहा है?विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को वीकली ब्रीफिंग में कहा- पाकिस्तान को भारत पर किए हमलों के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए दुनिया को साथ में आने की जरूरत है। जायसवाल ने कहा कि हम विदेशों में 7 डेलिगेशन भेज रहे हैं। 3 डेलिगेशन निकल चुके हैं। हम दुनिया को बताना चाहते हैं कि आतंकवाद से कैसे निपट रहे हैं। पाकिस्तान पिछले 40 साल से भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां छेड़े हुए है। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए। इसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 100 आतंकी मारे गए। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने क्रॉस-बॉर्डर शेलिंग की। बॉर्डर के इलाकों में ड्रोन अटैक भी किए। इसके बाद भारत ने कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 11 एयरबेसों को निशाना बनाया। 10 मई की शाम को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर लागू हो गया।

टेक्नोलॉजी का उस्ताद बनने वाले अमेरिका के घर में चोरी! सरकारी अधिकारियों का डेटा ले उड़े हैकर्स, जानें क्या है हाई लेवल मामला

नई दिल्ली। अमेरिका में एक बड़े साइबर हमले ने सरकारी संचार व्यवस्था की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैकर्स ने टेल मैसेज ऐप को निशाना बनाया है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी सरकारी अधिकारी (ट्रंप भी) करते हैं। टेक्नोलॉजी के उस्ताद माने जाने वाले अमेरिका में एक बड़े साइबर अटैक की खबर सामने आयी है। ाली की एक रिपोर्ट के अनुसार हैकर्स ने टेल मैसेज नाम की ऐप को हैक कर लिया है। यह कोई सामान्य ऐप नहीं है। दरअसल यह एुर्हैत ऐप का एक वर्जन है, जिसे अमेरिकी सरकारी अधिकारी, यहां तक कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इसे छोटी-मोटी हैकिंग नहीं माना जा सकता बल्कि यह बहुत ही ज्यादा गंभीर मामला है। यह घटना अमेरिकी सरकारी संचार व्यवस्था की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े करती है। बता दें कि हाल ही में टेल मैसेज तब सुर्खियों में आया था, जब ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह इस ऐप को इस्तेमाल करते दिखे थे।रिपोर्ट्स के अनुसार लीक हुए डेटा से टेल मैसेज ऐप के 60 से ज्यादा सरकारी यूजर्स की पहचान हुई है। इसमें आपदा प्रबंधन कर्मी, कस्टम अधिकारी, अमेरिकी राजनयिक, व्हाइट हाउस का एक कर्मचारी और यहां तक कि सीक्रेट सर्विस के सदस्य भी शामिल हैं। हैक किए गए मैसेजेस में 3 से 4 मई के बीच की बातचीत का रिकॉर्ड मिलता है। ध्यान देने वाली बात है efkeâ Reuters हर जानकारी की पुष्टि नहीं कर पाया है, लेकिन उन्होंने कई मैसेजेस और फोन नंबरों का पता जरूर लगाया है। उदाहरण के लिए, FEMA से मदद मांगने वाले एक व्यक्ति ने माना कि उसका मैसेज असली था, और एक वित्तीय सेवा कंपनी ने भी अपने कुछ लीक हुए मैसेजेस की पुष्टि की है। इस घटना से साफ हुआ है कि अमेरिकी सरकार की संवेदनशील बातचीत तक अब सुरक्षित नहीं रह गई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक बहुत ही गोपनीय जानकारी या ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारियों जैसे वॉल्ट्ज की निजी बातचीत लीक हुए डेटा में सामने नहीं आई है। हालांकि कुछ ऐसे मैसेज जरूर सामने आए हैं जिनसे सरकारी दौरों के बारे में पता चलता है। Reuter के मुताबित 'POTUS ~ ROME-VATICAN ~ PRESS GC' नाम के एक चैट ग्रुप का पता चला है, जो कि शायद वेटिकन में किसी कार्यक्रम की योजना से जुड़ा था। एक और ग्रुप में अमेरिकी अधिकारियों के जॉर्डन दौरे की बात हो रही थी। बता दें कि टेल मैसेज 5 मई से ही सुरक्षा के चलते बंद है। इसे चलाने वाली कंपनी Smarsh ने अब तक लीक पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं व्हाइट हाउस, स्टेट डिपार्टमेंट, सीक्रेट सर्विस, FEMA और कस्टम विभाग जैसे कई सरकारी संस्थानों ने इस डेटा लीक की पुष्टि की है और जांच शुरू कर दी है। अमेरिका की साइबर सुरक्षा एजेंसी ण्घ्ेंं ने सभी यूजर्स को सलाह दी है कि जब तक आगे कोई दिशा-निर्देश न मिले, तब तक टेल मैसेज का इस्तेमाल बंद कर दें।विशेषज्ञों को इस साइबर हमले में सिर्फ मैसेज ही नहीं, बल्कि मेटाडाटा चोरी होने की भी आशंका है। बता दें कि शॅू का मतलब ऐसी मूल जानकारी से है जिसमें कौन किससे और कब बात कर रहा था जैसे डिटेल्स शामिल होते हैं। इसमें भले ही बातचीत का असली कंटेंट न मिले लेकिन बेसिक जानकारी जरूर मिल जाती है। एनएसए के पूर्व साइबर एक्सपर्ट जेक विलियम्स का कहना है कि, 'अगर आपके पास सिर्फ मेटाडेटा भी हो, तो वो बहुत ही हाई लेवल की खुफिया जानकारी मानी जाती है।' ऐसे डेटा से जासूसी करने वाले आसानी से सरकारी नेटवर्क और अधिकारियों की गतिविधियों का नक्शा तैयार कर सकते हैं। यह घटना एक बार फिर साफ दिखाती है कि सरकारी एजेंसियां लगातार साइबर हमलों के खतरे में हैं और मजबूत संचार सुरक्षा कितना जरूरी है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

कान्स 2025 में ऐश्वर्या राय बच्चन का देसी अंदाज,मांग में सजा लाल सिंदूर बना चर्चा का केंद्र, ऑपरेशन सिंदूर के बीच सामने आया लुक

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन 21 मई को कान्स के रेड कार्पेट पर लौटीं। जिसके बाद कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने लुक को लेकर ऐश्वर्या राय बच्चन चर्चा में आ गईं। इस बार उनकी ड्रेस से ज्यादा लोगों की नजर उनके मांग में सजे चमकते लाल सिंदूर पर गई। आईवरी रंग की बारीक बुनी बनारसी साड़ी, हाथ से तैयार टिशु का दुपट्टा और गले में 500 कैरेट से ज्यादा माणिक और अनकट हीरों से बना हार, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही उनके सिंदूर की, जो भारतीयता का प्रतीक बनकर उभरा। ऐश्वर्या की साड़ी मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की है।इस साल ऐश्वर्या की कान्स में यह 22वीं उपस्थिति रही। साल 2002 में उन्होंने फिल्म 'देवदास' की स्क्रीनिंग के दौरान पहली बार कान्स रेड कार्पेट पर कदम रखा था। उस समय उन्होंने नीता लुल्ला की डिजाइन की हुई पीले-गोल्ड रंग की साड़ी पहनी थी और वह एक रथ में बैठकर पहुंची थीं, जैसे कोई रजवाड़ी राजकुमारी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने आई हो। उनके साथ शाहरुख खान और निर्देशक संजय लीला भंसाली भी मौजूद थे। साथ ही 2003 में ऐश्वर्या ने कान्स में साड़ी पहनकर

अपनी खूबसूरती से जलवा बिखेरा था।खास बात ये है कि ऐश्वर्या का ये लुक ऐसे समय में सामने आया है जब भारत सरकार 33 देशों में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बातचीत करने जा रही है। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ था। 'ऑपरेशन सिंदूर'के बाद भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए 33 देशों में 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है।इसके अलावा, हाल के महीनों में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन के बीच तलाक की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। ऐसे में उनका यह सिंदूर शायद एक निजी और सार्वजनिक जवाब भी था कि रिश्ते कभी-कभी ग्लैमर से नहीं, परंपरा और विश्वास से टिके रहते हैं।

सलमान के घर में जबरन घुस रहा शख्स गिरफ्तार, कार के पीछे छिपकर गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसा था; सलमान के पास हैं वाई प्लस सिक्योरिटी

नई दिल्ली। सलमान खान के घर में एक बार फिर एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 20 मई की है। खुलासा गुरुवार को हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। 2 दिन में यह दूसरी घटना थी। बीती रात ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। इसे भी पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। दोनों मामलों की जांच जारी है। सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। संदीप ने बताया कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया। संदीप ने कहा कि वह

शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया और इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर प्रवेश कर गया। मौके पर मौजूद पुलिस कॉन्स्टेबल सुर्वे, महेत्रे, पवार और सुरक्षा गार्ड कमलेश मिश्रा ने तुरंत उसे हिरासत में लिया और बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया।2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 पीएसओ भी शामिल होते हैं। सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है। गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रेजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं।14 अप्रैल 2024 को सलमान के घर फायरिंग हुई थी। उसके ठीक एक साल बाद पिछले महीने 14 अप्रैल 2025 को सलमान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। मैसेज में लिखा था- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे। मुंबई की वर्ली पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपी को अरेस्ट कर लिया था। पिछले साल 14 अप्रैल को सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में फायरिंग हुई थी। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। इस केस में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली है।

एक्ट्रेस अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड को कहा अलविदा,पिता सुनील का खुलासा, बोले- एक दिन उसने कहा, बाबा मुझे फिल्में नहीं करनी है

नई दिल्ली। अथिया शेट्टी

अब फिल्मों में नहीं दिखेंगी। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड से किनारा कर लिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में पिता सुनील शेट्टी ने खुलासा किया है कि उनकी बेटी ने एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कहने का फैसला किया है। सुनील ने बताया कि अथिया ने स्वीकार किया है कि उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है और उन्होंने फिल्मों से दूर जाने का फैसला कर लिया है।जूम को दिए एक इंटरव्यू में, सुनील कहते हैं- 'उसने एकदिन मुझसे कहा, बाबा, मैं फिल्में नहीं करना चाहती और वह बस चली गई।' मैं उसे इस बात के लिए सलाम करता हूं कि उसने कहा उसे फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। फिल्म मोतीचूर के बाद, उसके सामने बहुत अच्छे प्रोजेक्ट आए लेकिन वो नहीं करना चाहती थी।सुनील ने बेटी की सराहना करते हुए कहा कि इस वक्त वह अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका यानी मदरहुड पर फोकस करना चाहती हैं। आज उसे अपने लाइफ का सबसे अच्छा रोल मिला है। वह सबसे अच्छी फिल्म में काम कर रही है, और यही जीवन है। वो एक मां की भूमिका में है और वह इसे बहुत पसंद कर रही है।अथिया ने साल 2015 में निखिल आडवाणी की रोमांटिक एक्शन फिल्म 'हीरो' से अपने करियर की शुरुआत की थी, जिसे सलमान खान ने प्रोड्यूस किया था। इसके दो साल बाद वो अनीस बज्मी की रोमांटिक कॉमेडी मुबारकां में दिखीं, जिसमें अनिल कपूर, अर्जुन कपूर और इलियाना डिक्रूज भी थे। उन्हें आखिरी बार 2019 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'मोतीचूर' में देखा गया था।उसके बाद से अथिया अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस ने 2023 में क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की। इसी साल 24 मार्च को इस जोड़े ने अपनी बेटी इवारा का स्वागत किया है।

अपनी तस्वीरें पोस्ट कर फंसीं जेनिफर लोपेज,एक्ट्रेस के खिलाफ मुकदमा दायर, 1 फोटो के मांगे 1 करोड़ 25 लाख रुपए

नई दिल्ली। फेमस हॉलीवुड सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज पर बिना अनुमति के खुद की तस्वीरें पोस्ट करने को लेकर मुकदमा दायर किया गया है। लोपेज पर आरोप है कि उन्होंने एक हॉलीवुड पार्टी की तस्वीरें बिना इजाजत शेयर की हैं। अब इन तस्वीरों के फोटोग्राफर और एक पैपराजी एजेंसी ने उन पर मुकदमा ठोका है।मामला इस साल जनवरी का है, जब लॉस एंजिलिस में गोल्डन ग्लोब्स से एक रात पहले अमेजन एमजीएम स्टूडियो और वैनिटी फेयर पार्टी हुई थी। लोपेज इस पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने इस मौके की दो तस्वीरें इंस्टाग्राम और एक्स पहले ट्विटर) पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे सफेद ड्रेस और व्हाइट फर कोट में नजर आ रही हैं। फोटो एडविन ब्लैंको ने खींची ये तस्वीरें फोटोग्राफर एडविन ब्लैंको ने खींची थीं। वह बैकग्रिड नाम की पैपराजी एजेंसी के लिए काम कर रहे थे। अब दोनों ने अलग-अलग मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि इन तस्वीरों के कॉपीराइट उनके पास हैं और लोपेज ने इन्हें बिना इजाजत इस्तेमाल किया।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कानून के मुताबिक, किसी भी फोटो में दिखने वाला व्यक्ति उसका मालिक नहीं होता। फोटो का कॉपीराइट आमतौर पर फोटोग्राफर या उस एजेंसी का होता है जिसके लिए वह काम कर रहा है। बताया जा रहा है कि एजेंसी ने लोपेज की टीम से संपर्क कर समझौते की कोशिश की थी। बात बनी भी, लेकिन अभी तक लोपेज ने उस डील पर साइन नहीं किया है।

द कश्मीर फाइल्स के बाद बदल रहा करियर ग्राफ,दर्शन कुमार बोले, अब मिल रहे हैं लीड रोल, सितंबर में बड़ी फिल्म रिलीज होगी

नई दिल्ली। दर्शन कुमार ने 'मैरी कॉम' से लेकर 'द कश्मीर फाइल्स' और वेब सीरीज 'आश्रम' तक अपने हर किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। इस खास बातचीत में उन्होंने आने वाली फिल्मों और अन्य बातों पर चर्चा की.कुछ बहुत अच्छे कॉन्सेप्ट पर काम चल रहा है और दो फिल्मों की शूटिंग तो लगभग पूरी हो चुकी है, जिनमें मैं लीड रोल में हूं। फिलहाल नाम नहीं रिवील करने की इजाजत है। अभी प्रोड्यूसर्स से बातचीत चल रही है। बड़े निर्देशकों के साथ काम करने में बजट थोड़ा ज़्यादा होता है क्योंकि उनकी फीस और टॉप लेवल की टीम शामिल होती है।'द कश्मीर फाइल्स' जैसी मेरी पिछली फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे मेकर्स को हिम्मत मिल रही है कि अगर कॉन्सेप्ट और फिल्म अच्छी हो तो कम बजट में भी अच्छा काम किया जा सकता है। निर्देशकों की तरफ से सकारात्मक संकेत हैं, बस उन्हें थोड़ा और आत्मविश्वास दिखाने की ज़रूरत है। मैं इस बात को लेकर श्योर हूं कि निर्देशक अब मुझे लीड रोल में लेने के लिए तैयार हैं।'द कश्मीर फाइल्स' के बाद 'धोखा' आई जिसमें माधवन लीड रोल में थे, उनके साथ मेरा भी किरदार काफी मजबूत था। 'कागज 2', जिसमें अनुपम जी और मैं मुख्य भूमिकाओं में थे। तो हां, धीरे-धीरे चीजें बदल रही हैं। मेरी अगली फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली है, जिसमें मैं लीड में हूं।'आर एम सी एस' नामक एक और प्रोजेक्ट पर बातचीत चल रही है और अगर सब ठीक रहा तो मैं उसे भी साइन कर लूंगा। इसके अलावा भी दो-तीन फिल्मों पर चर्चा चल रही है। इसलिए हां, अब मैं लीड रोल्स पर ज़्यादा ध्यान दे रहा हूं।मेरा सीधा सा फंडा है कि जब मैं कोई स्क्रिप्ट पढ़ता हूं तो

उसे एक बार में पढ़ता हूं, बिना किसी डिस्टरबेंस के, एक दर्शक की तरह। अगर वह कहानी और किरदार मेरे दिल को छूते हैं, तो मुझे लगता है कि यह दर्शकों के दिलों को भी छुएंगे। मैं देखता हूं कि मेरे किरदार में कितना दम है, कितनी संभावना है। अगर मेरा दिल कहता है 'हां', तभी मैं उस प्रोजेक्ट को साइन करता हूं। 'मैरी कॉम' के बाद मैंने बहुत सोच-समझकर फिल्में की हैं। मैं अच्छा काम करना चाहता हूं, भले ही वह कम हो। मुझे लगता है कि फिल्में टी20 मैच की तरह होती हैं, जहां आपके पास सीमित समय होता है और आपको कई किरदारों को उस दायरे में ही समेटना होता है। वहीं, वेब सीरीज टेस्ट मैच की तरह होती है, जहां आप खुलकर खेल सकते हैं, अपने किरदार को गहराई से विकसित कर सकते हैं।थिएटर की तरह, हर एपिसोड के बाद आपको अपने किरदार की नई परतें समझने को मिलती हैं। वेब सीरीज का एक और फायदा यह है कि लोग इसे अपने निजी समय और स्थान पर देखते हैं, जिससे एक जुड़ाव महसूस करते हैं। एक वेब सीरीज लगभग चार-पांच फिल्मों के बराबर होती है, इसलिए जब दर्शक आपको इतने लंबे समय तक देखते हैं, तो वे आपके किरदार और कहानी से जुड़ जाते हैं। लंदन में शूटिंग के दौरान लोगों का प्यार देखकर मुझे यह एहसास हुआ कि वेब सीरीज के किरदारों से लोगों का कितना गहरा नाता बन जाता है।अमेजिंग एक्सपीरियंस! 'द फैमिली मैन' में हमारे ज़्यादातर सीन्स अलग-अलग लोकेशन्स पर शूट होते थे। हालांकि इस बार हमें साथ में काम करने का मौका मिला। उन्होंने अपने हाथ का बना हुआ बहुत ही स्वादिष्ट मटन खिलाया, जो मैंने अपनी जिंदगी में पहले कभी नहीं खाया था। उनके साथ मैंने पहले 'बागी 2' में भी काम किया है। उनके साथ हमेशा बड़े भाई जैसा महसूस होता है। वह हमेशा सपोर्टिव रहते हैं और हम सीन्स पर बहुत डिस्कस करते हैं क्योंकि हम दोनों थिएटर से हैं।वह सीन्स पर बहुत मेहनत करते हैं, तो बड़ा मजा आता है। वह भी मेरी तरह एक छोटे शहर से आए हैं और आज इतने बड़े मुकाम पर पहुंच गए हैं, तो वह अपने अनुभव और मुश्किल समय से कैसे निपटा जाए, इस बारे में भी गाइड करते हैं। उनके जैसे बेहतरीन और अच्छे इंसान के साथ काम करना कमाल का अनुभव है। 'द फैमिली मैन' सीजन 3 की शूटिंग मैंने पूरी कर ली है और अभी डबिंग चल रही है। यह जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगा।बॉबी देओल जितने बेहतरीन कलाकार हैं, उससे भी बेहतरीन इंसान भी हैं। जब हम 'आश्रम' के पहले पार्ट की शूटिंग अयोध्या में कर रहे थे, तो हमारे कमरे आसपास ही थे। वह अक्सर सोफे पर बैठ जाते थे और सबको बुलाकर रिहर्सल करते थे, बातें करते थे ताकि हम किरदारों पर अच्छे से काम कर सकें।उनका काम के प्रति बहुत जुनून है और वह मुझे छोटे भाई की तरह ट्रीट करते हैं।

स्टार्स की चुप्पी पर भड़के विवेक शर्मा कहा- सबसे बड़े जिहादी बॉलीवुड में

नई दिल्ली। ऑपरेशन

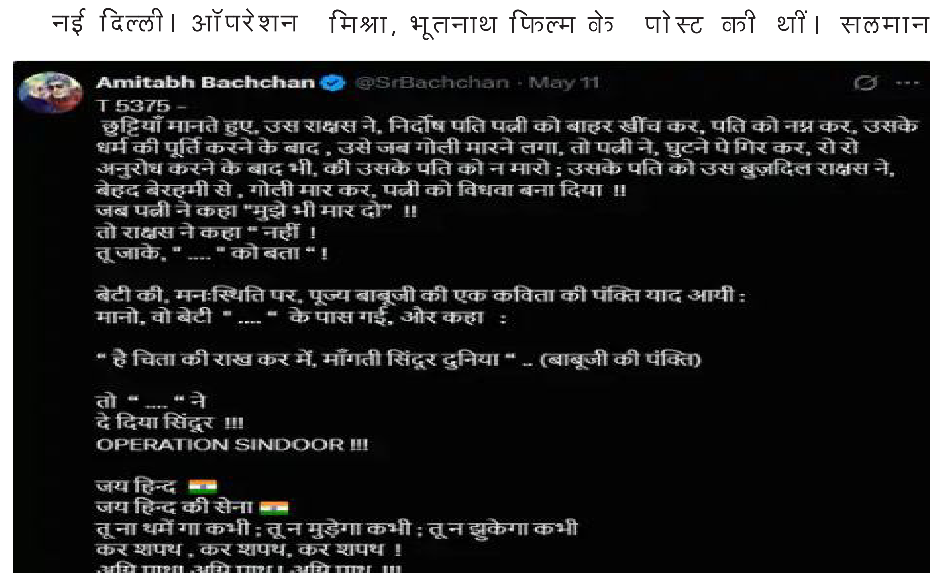

सिंदूर पर चुप्पी के बाद सलमान खान ने सीजफायर पर एक पोस्ट शेयर की। लिखा भगवान का शुक्र है, लेकिन कुछ देर में ही उन्होंने ये भी डिलीट कर दी। वहीं शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण जैसे ए-लिस्टर्स ने भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी। इंडियन सेलेब्स ने जो इक्का-दुक्का पोस्ट किए, उनमें भी न आतंकवाद का जिक्र था न पाकिस्तान का।दूसरी तरफ पाकिस्तान के सबसे बड़े सेलेब्स चाहे वो भारत में काम कर चुके फवाद खान हों, माहिरा खान हो या मावरा होकैन, हर किसी ने बढ़-चढ़कर भारत विरोधी बयान दिए। किसी ने ऑपरेशन सिंदूर को कायरतापूर्ण कहा तो किसी ने शर्मनाक, लेकिन भारत के सबसे बड़े सेलेब्स ने सैनिकों की तारीफ और सांत्वना के अलावा कुछ खास नहीं कहा।बॉलीवुड कलाकारों की चुप्पी आम जनता को ही नहीं, कई सेलेब्स को भी खलने लगी है। एक्ट्रेस फलक नाज, गीतांजलि मिश्रा, भूतनाथ फिल्म के डायरेक्टर विवेक शर्मा, एक्टर सुधांशु पांडे से लेकर AIMIM नेता तक ने सेलेब्स की चुप्पी पर सवाल उठाए।आखिर इस चुप्पी का कारण क्या है, क्या उन सेलेब्स को कैंसिल कल्चर, बॉयकॉट होने या विवाद में फंसने का डर है या वो पाकिस्तान के अपने फैन नहीं खोना चाहते।इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए हमने पिछले कुछ ऐसे केसेज पर स्टडी की, जब सेलेब्स की राय पर विवाद हुआ, कभी शाहरुख की फिल्म बॉयकॉट की गई, तो कभी आमिर को थप्पड़ मारने वाले पर इनाम तक घोषित हो गया, वहीं जेएनयू जाने पर दीपिका के हाथ से कई ब्रांड्स निकल गए थे। इस मुद्दे पर हमने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से भी राय ली। शाहरुख खान- पहलगाम आतंकी हमले पर मारे गए लोगों को सांत्वना दी, इसे घिनौना कहा, लेकिन पोस्ट में न आतंकवाद का जिक्र था, न पाकिस्तान का। ऑपरेशन सिंदूर पर कोई पोस्ट नहीं की। 6 मई को कांस से तस्वीरें पोस्ट की थीं। सलमान खान- पहलगाम हमले की निंदा की। ऑपरेशन सिंदूर पर कोई पोस्ट नहीं की। सीजफायर पर लिखा था- सीजफायर के लिए भगवान का शुक्र है। बाद में उन्होंने ये पोस्ट भी डिलीट कर दी।अमिताभ बच्चन- पहलगाम हमले पर चुप्पी, ऑपरेशन सिंदूर पर चुप्पी, लेकिन सीजफायर होने के अगले दिन अमिताभ बच्चन ने पहलगाम हमले पर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की कविता पोस्ट की। इसमें भी उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिखने के बजाय वो हिस्सा खाली रखा।आलिया भट्ट- पहलगाम हमले पर संवेदनाएं दीं। आतंकवाद और पाकिस्तान का जिक्र कहीं नहीं था। 27 अप्रैल से वो अपने क्लोदिंग ब्रांड एड-ए मामा का प्रमोशन करने लगीं। फिर आलिया ने वेव समिट की तस्वीरें पोस्ट कीं। आखिरकार सीजफायर के 3 दिन बाद आलिया ने भारतीय सैनिकों की तारीफ में पोस्ट शेयर की, लेकिन उसमें भी कहीं पाकिस्तान या आतंकवाद का जिक्र नहीं था।

हिंदी फ़िल्म और वेबसीरिज 'कौन थी वो' की शूटिंग

हिंदी फ़िल्म और वेबसीरिज (कौन थी वो) की शूटिंग। जून

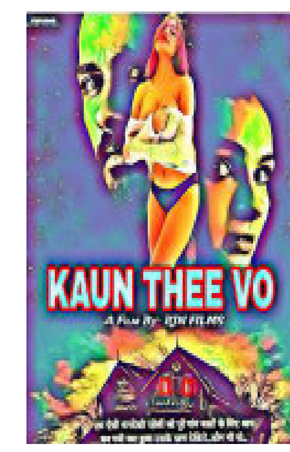

2025 से आरम्भ होने जा रही है फ़िल्म की अभिनेत्री शिवानी ठाकुर ने बताया कि फ़िल्म की कहानी बहुत ही रोमांटिक एक्शन सस्पेंस क्राइम से भरपूर है फ़िल्म के निर्माता आरटीएन फिल्म्स प्रोडक्शन हैं फ़िल्म के निर्देशक ने बताया फ़िल्म की शूटिंग लोकेशन. श्री कृष्णा जी की नगरी. वृन्दावन. मथुरा. वरसाना. गोकुल. गोवर्धन. के अलाबा. आगरा ग्वालियर. भरतपुर. नैनीताल. एवं कई स्थानों पर की जायेगा फ़िल्म मै कुल 3 गाने है साथ ही फ़िल्म मै नये कलाकारों को भी अभिनय करने का मौका दिया जायेगा फ़िल्म के सभी कॉपीराइट म्यूजिक टीवी सेटेलाइट सभी बिक चुके है जिसका एग्रीमेंट. जिसके डिस्ट्रीब्यूटर सिनेवर्ल्ड आर पी ऐफ इंडिया ने किया है जो कि फ़िल्म की लागत से 45फीसदी अधिक मुनाफा के साथ हुआ है

'हेरा फेरी 3' की शूटिंग कर चुके थे परेश रावल,खुद कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, 11 लाख का पेमेंट लेने के बाद छोड़ी फिल्म

नई दिल्ली। एक्टर परेश रावल

इन दिनों फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स की तरफ से परेश रावल के अचानक फिल्म छोड़ने की वजह से 25 करोड़ रुपए की मांग करते हुए लीगल नोटिस भेजा गया है। अब प्रोडक्शन हाउस ने यह दावा किया है कि एक्टर को 11 लाख रुपए का भुगतान किया गया था। अब उनके अचानक फिल्म छोड़ने से काफी नुकसान हुआ है।अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस के वकील ने भी इस बात की पुष्टि की है कि परेश रावल को 25 करोड़ रुपए का मुकदमा किया गया है। अब मेकर्स की ओर से कहा गया कि परेश रावल ने खुद कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने फिल्म शूटिंग तक शुरू कर दी थी और इसके लिए 11 लाख रुपए का पेमेंट की किया जा चुका है। मेकर्स की तरफ से बयान में कहा गया है कि फिल्म 'हेरा फेरी 3 का टीजर 3 अप्रैल 2025 को शूट हुआ था। जिसमें परेश रावल का 3 मिनट से ज्यादा फुटेज था।केप ऑफ गुड फिल्म्स एलएलपी ने अपने वकील परिनम लॉ एसोसिएट्स के जरिए कहा है कि परेश रावल ने 30 जनवरी 2025 को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट के माध्यम से बताया था कि वो फिल्म का हिस्सा हैं। इसके बाद उन्होंने 27 मार्च 2025 को एक अनौपचारिक एग्रीमेंट साइन करके फिल्म में काम करने की सहमति दी थी।मेकर्स का कहना है कि परेश रावल के यूं अचानक फिल्म छोड़ने से पैसे के साथ फिल्म की शूटिंग शेड्यूल पर भी फर्क पड़ा है। इसी वजह से प्रोडक्शन हाउस ने परेश रावल से 25 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। साथ ही लीगल नोटिस में यह भी जिक्र है कि अगर सात दिनों के भीतर मांग पूरी नहीं की गईं तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक इस मामले पर परेश रावल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

संदीप रेड्डी की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका की छुट्टी:एक्ट्रेस की बढ़ती डिमांड से परेशान थे डायरेक्टर, नए चेहरे की तलाश शुरू

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में दिखने वाली थीं लेकिन सूत्रों के मुताबिक अब वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। ये बात कंफर्म हो चुकी है। दीपिका को फिल्म से हटा दिया गया है। इसके पीछे उनका बहुत ज्यादा डिमांडिंग होना बताया गया है।दीपिका की तरफ से आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं इसलिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से संदीप खुश नहीं थे। एक्ट्रेस की मांगों को अन प्रोफेशनल कहा जा रहा है।दीपिका के हटने के बाद अब संदीप रेड्डी फिल्म के लिए नई फीमेल लीड की तलाश में हैं। फिलहाल मेकर्स इस बात से भी परेशान है कि उनकी घोषणा के पहले ही ये खबर बाहर कैसे आई।बता दें कि पहले इस फिल्म की शूटिंग साल 2024 के आखिरी में होने वाली थी लेकिन दीपिका की प्रेग्नेंसी की वजह से शूटिंग टल गई। मां बनने के बाद अपने बिजी शेड्यूल के कारण दीपिका ने फिल्म करने मना कर दिया था। लेकिन संदीप को दीपिका ही चाहिए थीं इसलिए उन्होंने उनके हिसाब से शेड्यूल को बदला, जिसके बाद दीपिका ने फिल्म के लिए हामी भर दी थी। कुछ ही दिन पहले ये खबर आई थी कि 'स्पिरिट' के लिए दीपिका पादुकोण को 20 करोड़ रुपए की फीस दी गई है।फिल्म में दीपिका प्रभास के अपोजिट दिखने वाली थीं। दोनों ने पहली बार फिल्म 'कल्कि 2898 एडी में दिखे थे। अब दोनों दोबारा इसी फिल्म के सीक्वल में नजर आएंगे।संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म छोड़ने के बाद दीपिका ने एटली की फिल्म एए22ए6 साइन कर ली है। अल्लू अर्जुन और एटली की इस मेगाबजट फिल्म में तीन हीरोइनें होंगी।

'द कपिल शर्मा शो' के फोटोग्राफर दास दादा का निधन तो छलक उठे कीकू शारदा के आंसू, मिला था दादा साहेब फाल्के अवॉड

नई दिल्ली। 'द कपिल शर्मा शो' के फोटोग्राफर दास दादा का निधन हो गया है। उनका असली नाम कृष्ण दास था। कॉमेडियन कपिल शर्मा की टीम ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उनका एक वीडियो शेयर किया है, जो अलग-अलग एपिसोड्स से कम्पाइल किया गया है। बताया है कि उनकी जाने की कमी महसूस होगी क्योंकि वह शो के शुरुआत से अंत तक कैमरे के पीछे रहे हैं। उनके निधन पर कीकू शारदा ने भी शोक जताया है और उनके साथ बिते पलों को याद किया है।दास दादा न सिर्फ अपनी बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए बल्कि अपने गर्मजोशी से भरे व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे। और क्रू मेंबर से बढ़कर थे। वह एक परिवार की तरह थे। कपिल शर्मा की टीम ने उनके निधन पर एक भावनात्मक श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट किया।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।